राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,08 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-257 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि के साथ,

बिक्री में 15% की गिरावट,सीएनजी की बिक्री में प्रति दिन 45,000 KG की वृद्धि हुई,

माल परिवहन किराए में अब 30 प्रतिशत की वृद्धि पर विचार किया जा रहा है।

क्रांति समय दैनिक समाचार

शहर में सादे पेट्रोल की कीमत 100 रूपये से अधिक हो गई है। पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी आई है। वहीं, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में भी इजाफा हुआ है। पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से इलेक्ट्रॉनिक बाइक के शोरूम में भी इजाफा हुआ है। सब्जियों की कीमत प्रति किलो रूपये है। 3 से रु 10, किराने का सामान रु 20 से 40, दूध में 2 रूपये प्रति लीटर और स्थानीय परिवहन में 2 से 5 रूपये प्रति किलोमीटर। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से लोग अब सीएनजी गैस और ई-वाहनों की ओर रुख कर रहे हैं।

सीएनजी की दैनिक बिक्री में 45,000 किलो की बढ़ोतरी पेट्रोल की कीमतें दिन-ब-दिन बढ़ रही हैं और अब लोग बड़ी संख्या में सीएनजी की ओर रुख कर रहे हैं। शहर में 20 गैस स्टेशन हैं जो सिर्फ सीएनजी गैस बेच रहे हैं। जबकि 20 पेट्रोल पंप ऐसे हैं जिनमें पेट्रोल पर गैस स्टेशन भी हैं। दो साल पहले, इन सभी गैस स्टेशनों ने मिलकर एक दिन में 2,80,000 किलो पेटियां बेचीं। लेकिन पिछले 6 महीने में रोजाना 3,25,000 किलो सीएनजी गैस की बिक्री हुई है। इसलिए रोजाना 45,000 किलो गैस की बिक्री बढ़ गई है।

मास्क पहनने और गरबा खेलने को लेकर हुए विवाद के मद्देनजर जारी नोटिस को सिर्फ 12 सोसायटियों ने दी मंजूरी

राज्य सरकार ने भी नवरात्रि के दौरान सोसायटियों के लिए कोई अधिसूचना जारी नहीं की है इसलिए अहमदाबाद निगम ने सोसायटियों के लिए कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं किया है लेकिन सूरत नगर निगम ने अठवा और अदजान सहित क्षेत्रों में सोसायटी अध्यक्षों को नोटिस भेजा है. नोटिस में नवरात्रि का पालन नहीं करने का आग्रह किया गया है और यदि ऐसा है, तो ने गरबा की प्लानिंग को भी बर्बाद कर दिया है।

वराछा में 25 सहित शहर में 1277 समाजों ने रास-गरबा के आयोजन के लिए पुलिस की मंजूरी मांगी है । शहर में कम से कम 1,277 सोसायटियों ने गरबा आयोजित करने के लिए पुलिस की मंजूरी मांगी है, जबकि यह संख्या 1,500 को पार करने का अनुमान है क्योंकि कई सोसायटियों की

नाविकों को एक अनिवार्य मुखौटा पहनना आवश्यक है। नगर पालिका के इस फतवे ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। पता चला है कि नगर पालिका द्वारा कार्रवाई की आशंका के बीच सिर्फ 12 सोसायटियों ने गरबा के लिए पुलिस की मंजूरी मांगी है। वहीं नगर पालिका द्वारा दिए गए नोटिस का पालन नहीं करने वाली सोसायटियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. औचक निरीक्षण के लिए टीमें भी बनाई गई हैं। एक सोसायटी के अध्यक्ष ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि नगर पालिका के नोटिस के बाद हम असमंजस में हैं कि गरबा कैसे किया जाए। मास्क पहनकर गरबा खेलना संभव नहीं है। नोटिस राष्ट्रपतियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। इतना ही नहीं किसी भी समाज में कोरोना केस होने पर इसकी जिम्मेदारी अध्यक्षों के सिर पर भी रखी गई है. इस फतवे स्वीकृति प्रक्रिया अभी भी जारी है। हालांकि सोसायटी ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति रात के 12 बजे तक ही दी है और शर्त है कि लाउडस्पीकर इस तरह न बजाएं जिससे स्थानीय लोगों, छात्रों, मरीजों और बुजुर्गों को परेशानी हो.

राज्य सरकार ने इस साल सिर्फ सोसायटी, गलियों और फ्लैटों में ही रास-गरबा करने की इजाजत इस शर्त पर दी है कि गाइडलाइन का पालन 400 पुरुष और कोरोना ही करें। जबकि समाज में लाउडस्पीकर बजाने के लिए थाने की अनुमति लेना अनिवार्य है। हालांकि, शहर की ज्यादातर सोसायटी में रास गरबा होने की वजह से आयोजकों ने पुलिस की अनुमति ले ली है. अदजान की ४५ सोसायटियों से सबसे ज्यादा मंजूरी मिली और सबसे निचला पॉश इलाका अठवा था।

नवसारी के अंबाडा गांव में हैजा के मामले काबू में,एक भी नया मामला सामने नहीं आया

नवसारी तालुका के अंबाला गांव को तीन दिन पहले जिला कलेक्टर ने हैजा मुक्त घोषित किया था। तीन दिनों में, अंबाला में 71 मामले सामने आए और ऑपरेशन युद्ध स्तर पर शुरूकिया गया, खासकर पानी की खराबी नतीजा यह रहा कि चौथे दिन अंबाला में हैजा का एक भी मामला सामने नहीं आया। जिससे व्यवस्था ने राहत की सांस ली है। नवसारी तालुका के अंबाडा गांव को दो दिन पहले दस्त और उल्टी के कारण हैजा प्रभावित घोषित किया गया था। तीन दिनों में 71 मरीजों का इलाज चल रहा था। लेकिन सिस्टम का तत्काल संचालन शुरू हो गया था। जिसमें गांव में पेयजल लाइन में आई खराबी को ठीक कर गांव से पानी के नमूने लेकर लोगों को क्लोरीनयुक्त पानी पीने की सलाह दी गयी. परिणाम सकारात्मक आया और आज अंबाडा गांव में हैजा का एक भी मामला सामने नहीं आया है। अंबाडा गांव में बोलेरा के नियंत्रण में आने पर जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली है. नवसारी के अंबाडा गांव में पहले दिन 39 लोगों को डायरिया और उल्टी हुई, जबकि दूसरे दिन 22 और मरीज दर्ज हुए. तीसरे दिन जहां अधिक मरीज सामने आए, वहीं कुल 71 मरीज हैजा की चपेट में आ गए।

अल्थाना के केशव हाइट्स में डायरिया-उल्टी से किशोरी की मौत

सूरत, शहर में भीषण जलजनित महामारी के बीच बुखार और उल्टी से एक और किशोर की मौत हो गई है। गुरुवार सुबह उल्टी के बाद किशोरी को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान किशोरी की मौत हो गई।

पंद्रह दिन पहले अलथन चार रास्ता के पास केशव हाइट्स निवासी इलेश खिलिया गुज्जर (यू.वी. १७) अपने गृहनगर राजस्थान से अपने चाचा के साथ रहने आया था और टाइल फिटिंग का काम कर रहा था। बुधवार को बुखार होने और गुरुवार सुबह उल्टी होने के बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे इलाज के लिए एच-३ वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज शुरू किया गया। हालांकि कुछ देर इलाज के बाद गुरुवार दोपहर उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही खटोदरा पुलिस सिविल अस्पताल पहुंची और जांच शुरूकी.

इलेश की मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस पोस्टमार्टम कर रही है। पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया है और घटना की आगे की जांच कर रही है। पांडेसरा में भी डायरिया-उल्टी और बुखार से ३ लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, बीमारी की घटनाएं बढ़ रही हैं क्योंकि सूरत नगर निगम के कर्मचारी इन क्षेत्रों में ठीक से काम नहीं कर पाए हैं। यही वजह है कि अस्पतालों में मरीजों की भीड़ उमड़ रही है।

दो दिनों में 500 से अधिक पियक्कड़ धरे गए, शराबबंदी को लेकर पुलिस हुई सख्त

गुजरात में पूर्ण शराबबंदी के सरकारी दावों के बीच आए दिन बड़े पैमाने पर शराब पकड़ी जाती है। दूसरी ओर पियक्कड़ों के पकड़े जाने का सिलसिला भी आम है। शराब माफिया कानून से बेखौफ होकर गुजरात में शराब उंडेल रहे हैं और जब शराब मिले तो पियक्कड़ अपनी प्यास बुझाने में पीछे क्यों रहे?

पुलिस भी ऐसे लोगों पर नजरें गड़ाए रहती है और मौका मिलते ही दबोच लेती है। इसी कड़ी में अहमदाबाद पुलिस ने पिछले दो दिनों के भीतर 525 शराबियों को गिरफ्तार किया है। आमतौर 31 दिसंबर की रात पुलिस खास अभियान चलाती है।

राज्य में सुदूर गांवों से लेकर बड़े शहरों को बेहतरीन सड़कों से जोड़ा गया: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात में हवाई, रेल और रोड कनेक्टिविटी का सुदृढ़ ढांचा खड़ा किया गया है जिसके चलते गुजरात के विकास ने नई गति और मील के पत्थर हासिल किए हैं। राज्य में सुदूर छोटे गांवों से लेकर बड़े शहरों को बेहतरीन सड़कों से जोड़ा गया है। आप गुजरात से बाहर जाएं या फिर बाहर से कोई गुजरात में आए तो इस बात का स्पष्ट अनुभव होता है। नवरात्र के पहले दिन गुरुवार को बोचासण की पावन भूमि से दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के बीच की दूरी को कम करने वाली सड़क एवं मकान विभाग की ओर से 1005 करोड़ रूपए करोड़ रूपए के विभिन्न 6 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। नई छह लेन सड़क के तैयार होने के बाद अब तारापुर से वासद केवल 35 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास से जन-जन को साथ रखते हुए प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। कोरोना काल में भी गुजरात की विकास यात्रा को हमने रुकने नहीं दिया है। गुजरात ने कोरोना काल में पूरे देश में श्रेष्ठ कार्य कर लोगों मोदी ने कोरोना के प्रभावों को खत्म करने का मार्गदर्शन देकर कोरोना के प्रभावों को खत्म करने का काम कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन के जरिए जनसेवा और समर्पण के 20 वर्ष पूरे हुए हैं। उन्होंने गुजरात को देश का रोल मॉडल बनाया है और अब पूरे देश की सेवा निष्ठापूर्वक कर देश को एक नई ऊंचाई की ओर ले जा रहे हैं। पटेल ने कहा कि अब तक जिन कार्यों की अवगणना की जाती थी,

भूपेंद्र पटेल ने तारापुर से वासद 48 किमी लंबी छह लेन सड़क का किया लोकार्पण

की लागत से नवनिर्मित तारापुर से वासद तक 48 किलोमीटर लंबी छह लेन सड़क का लोकार्पण करते हुए उन्होंने यह बात कही। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य में सड़क एवं मकान विभाग के 206.93 की परेशानियों को कम करने का हर संभव प्रयास किया है। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि कोरोना काल में जब विकसित देशों सहित पूरी दुनिया हतप्रभ हो गई थी, उस दौर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र उन्हीं कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। जिसमें स्वच्छता अभियान, शौचालय, बिजली, सिंचाई और उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रधानमंत्री सच्चे अर्थ में गरीबों के हमदर्द बने हैं।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वक्त के पाठ्यक्रम

वैश्विक परिदृश्य में सूचना-तकनीक उद्योग में आये अप्रत्याशित उछाल के बाद बड़ी संख्या में छात्रों का रुझान निजी इंजीनियरिंग विश्वविद्यालयों व बीटेक कॉलेजों की तरफ हुआ। निजी इंजीनियरिंग कालेजों को खोलने की शासन की उदार नीति ने इनका तेजी से विस्तार किया। कुछ दशक पहले जिन पाठ्यक्रमों को लक्षित किया गया, वे समय की जरूरत के हिसाब से अप्रासंगिक हो गये। लेकिन ये इंजीनियरिंग कालेज बदलते दौर की गतिशील चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढालने में विफल रहे। दरअसल तेजी से बदलता औद्योगिक परिदृश्य नित नई प्रौद्योगिकी संचालित उद्योग को प्राथमिकता दे रहा है और पुरानी तकनीकों से किनारा कर रहा है। वैश्विक औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव को देखते हुए निजीकरण की लहर में सवार होकर आये निजी इंजीनियरिंग कालेज समय के अनुरूप खुद को ढाल नहीं पाये। वहीं इन संस्थानों की प्राथमिकता मुनाफा कमाना तो था लेकिन वे गुणवत्ता वाले शैक्षिक ढांचे को तैयार करने तथा योग्य शिक्षकों के बूते अपनी साख बनाने में विफल रहे। फलतः इंजीनियरिंग के विभिन्न पाठ्यक्रमों के जरिये भविष्य संवारने आने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या में तेजी से कमी आई है। अधिक मुनाफे के लालच में शिक्षा के निर्धारित मानकों पर खरे न उतरने वाले इन कालेजों में छात्र मोटी फीस के बूते दाखिला तो पा गये, लेकिन अपना भविष्य संवार न पाये। इन कालेजों में शैक्षिक योग्यता के मानकों से समझौता करने के भी आरोप लगे, जिसके चलते पिछले आठ वर्षों में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग कालेज बंद होने के कगार पर जा पहुंचे। इसकी वजह है कि डिग्री पाने वाले छात्रों को जो सब्ज-बाग कैंपस प्लेसमेंट के नाम पर दिखाये गये थे, वे पूरे नहीं हुए। जब डिग्री पाकर भी रोजगार के मौके नहीं मिले तो आने वाले छात्रों ने अन्यत्र भविष्य तलाशने का मन बनाया। कमोबेश यही स्थिति हरियाणा के निजी इंजीनियरिंग कालेजों की भी है जहां 37 बीटेक कराने वाले कालेज बंद हो चुके हैं। वहीं हिमाचल में कई इंजीनियरिंग कालेजों में शैक्षिक घोटाले सामने आये। वर्ष 2020-21 के सत्र में राज्य के विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों द्वारा चलाये जा रहे 402 पाठ्यक्रमों में 69 फीसदी सीटें खाली रहीं। यह स्थिति केवल हरियाणा व हिमाचल की ही नहीं है। तेलंगाना, महाराष्ट्र, केरल, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में इंजीनियरिंग कॉलेजों के भविष्य के लिये भी कोई अच्छा संकेत नहीं है। इनके इंजीनियरिंग कालेजों के विभिन्न पाठयक्रमों की पचास फीसदी सीटों के लिये छात्र-छात्राओं ने आवेदन नहीं किये। निस्संदेह, यह भारत में तकनीकी शिक्षा के भविष्य के लिये कोई शुभ संकेत नहीं है। दरअसल, ये हालात इन निजी इंजीनियरिंग कालेजों के पाठ्यक्रमों में आमूल-चूल बदलावों की मांग करते हैं। वैश्विक परिदृश्य में आज जिन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित इंजीनियरों की मांग है, उसी के अनुरूप विषय के पाठ्यक्रमों को छात्रों को पढ़ाये जाने की जरूरत है। मसलन, विश्व बाजार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे पाठ्यक्रमों की बड़ी मांग है, जिसमें युवाओं के भविष्य के लिये सुनहरे अवसर देखे जा रहे हैं। दरअसल, आज विगत वर्षों में प्रतिष्ठित ट्रेडों की मांग में गिरावट आई है। ऐसे में नये दौर में बाजार की मांग वाले विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करने की जरूरत है। हम देखते हैं कि दुनिया के रोजगार बाजार में वर्चुअल क्रांति ने नये अवसरों का सृजन किया है। नये उद्योग उभर रहे हैं। मसलन खाने से जुड़े कई नये कारोबार विकसित हुए हैं। इसी तरह यात्रा, बागवानी, नृत्य, संगीत, सौंदर्य, वस्त्र आदि के व्यवसाय में बड़ा उछाल आया है। जरूरत इस बात की है कि नये कौशलों को पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाये।

नवरात्रि : नौ शक्तियों का मिलन पर्व

कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं।

– योगेश कुमार गोयल

भारतीय समाज और विशेषकर हिन्दू समुदाय में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिवर्ष आश्विन मास में शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्र का आरंभ होता है और लगातार नौ दिनों तक आदिशक्ति जगदम्बा का पूजन किया जाता है।शारदीय नवरात्र इस वर्ष 7 अक्तूबर से शुरू हो रहे हैं और इनका समापन 15 अक्तूबर को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके। मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्न जड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है। चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्न जड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्ज्वल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमल दल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनत कुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है। दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़ कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

आज का राशीफल

मेष	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।
कर्क	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।
सिंह	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।
कन्या	व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।
तुला	व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
वृश्चिक	जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मकर	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।
कुम्भ	आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।
मीन	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

तंत्र में सुधार से अर्थव्यवस्था को गति

भरत झुनझुनवाला

स्विटज़रलैंड स्थित इंस्टिटयूट आफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट द्वारा विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के प्रतिस्पर्धा सूचकांक में भारत की रैंक 2016 में 41 से फिसल कर 2020 में 43 रह गयी है। इसी के समानांतर वर्ल्ड इकनामिक फोरम द्वारा बनाये गये प्रतिस्पर्धा सूचकांक में 2018 में भारत की रैंक 58 थी जो कि 2019 में फिसलकर 68 रह गयी है। हमारे फिसलने का पहला कारण शिक्षा का है। इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट के अनुसार हमारा शिक्षा तंत्र 64 देशों में 59वें रैंक पर था। पर्यावरण की रैंक में हम 64 देशों में 64वें रैंक पर थे। शिक्षा के क्षेत्र में हमारा खराब प्रदर्शन चिंता का विषय है। आरबीआई के अनुसार वर्ष 2019-20 में हमने जीडीपी का 3.3 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च किया था। वैश्विक स्तर पर शिक्षा पर 6 प्रतिशत खर्च को उचित माना जाता है फिर भी 3.3 प्रतिशत उतना कमजोर नहीं है। यह रकम 2019-20 में 651 हजार करोड़ रुपये बैठती है। ऐसा समझें कि 6 माह में हमारी जनता जितना जीएसटी अदा करती है और केन्द्र एवं राज्य सरकारों को जितना राजस्व मिलता है, उससे अधिक खर्च इन सरकारों द्वारा शिक्षा पर किया जा रहा है। निःसंदेह शिक्षा खर्च में कहीं न कहीं विसंगति है। दरअसल, 651 हजार करोड़ रुपये की यह रकम केवल सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र पर की जा रही है। दिल्ली में प्रति छात्र 78,000 रुपये खर्च किये जा रहे हैं। विद्यालय जाने वाली जनसंख्या लगभग 46 करोड़ है। यदि इस रकम को देश के सभी छात्रों में बांट दिया जाये तो प्रत्येक छात्र को 14,000 रुपये दिए जा सकते हैं। सामान्य रूप से ग्रामीण इंगलिश मीडियम विद्यालयों की फीस लगभग 12 हजार रुपये प्रति वर्ष होती है। यानी जितनी फीस में प्राइवेट विद्यालयों द्वारा इंगलिश मीडियम की शिक्षा हमारे छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही है, उससे 5 गुणा रकम सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों पर की जा रही है। इसके बावजूद हमारी रैंक नीचे रहती है। दरअसल, सरकारी अध्यापकों को बच्चों को पढ़ाने में कोई रुचि नहीं होती है। यदि उनके रिजल्ट अच्छे आते हैं तो उन्हें कोई सम्मान नहीं मिलता और यदि उनके रिजल्ट खराब आते हैं तो उन्हें कोई सजा नहीं मिलती। इसलिए उनके लिए विद्यालय की बायोमेट्रिक व्यवस्था में अपनी हाजिरी लगाना मात्र ही उद्देश्य रह जाता है। विशेष यह कि सरकार ने फीस माफ़ करके, मुफ्त पुस्तक, मुफ्त यूनिफार्म और मुफ्त मध्याह्न भोजन वितरित करके छात्रों को सरकारी विद्यालयों में दाखिला लेने के लिए सम्मोहित कर लिया है। इस सम्मोहन के चलते वे तुलना में कम खर्च में शिक्षा प्रदान करने वाले निजी विद्यालयों की तुलना महंगे लेकिन मुफ्त सरकारी विद्यालय में दाखिला लेना पसंद करते हैं। यदि हमें अपनी प्रतिस्पर्धा की क्षमता को बढ़ाना है तो अपनी शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। सुझाव है कि सरकार द्वारा खर्च की जा रही रकम को छात्रों को सीधे वाउचर के माध्यम से दिया जाए और छात्रों को स्वतंत्रता दी जाए कि वे अपने मनपसंद के गुणवत्तायुक्त विद्यालय में अपनी फीस अदा कर सकें। यदि ऐसा किया जाएगा तो महंगे सरकारी विद्यालय में दाखिला लेने का प्रलोभन समाप्त हो जाएगा और उस रकम को कुशल प्राइवेट विद्यालयों की शिक्षा में सुधार के लिए किया जा सकेगा। हमारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार आ जाएगा। हमें पर्यावरण के अवरोध को समाप्त कर अर्थव्यवस्था को त्वरित बढ़ाना होगा। जैसे सरकार ने हाल में थर्मल बिजली संयंत्रों द्वारा प्रदूषण के मानकों को ढीला कर दिया है और पर्यावरण स्वीकृति के नियमों में ढील दी है। सरकार का मानना है कि पर्यावरण कानून को नरमी से लागू करने से उद्यमियों द्वारा उद्योग लगाना आसान हो जाएगा और अर्थव्यवस्था चल निकलेगी। प्रश्न है कि उसी पर्यावरण को और कमजोर करने से हमारी प्रतिस्पर्धा शक्ति में सुधार कैसे संभव है? जब हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहता है तो जनस्वास्थ्य सुधरता है और नागरिकों की कार्यक्षमता बढ़ती है। सुधरे पर्यावरण में निवेशकों को निर्भय होकर भारत में आकर निवेश करने में संकोच नहीं होता। वे प्रदूषित स्थानों पर उद्योग लगाने में कतराते हैं। यदि सरकार नियम बनाती है कि उद्योगों को ऊर्जा की खपत कम करनी होगी तो उद्योगों द्वारा अच्छी गुणवत्ता की बिजली के बल्ब, पंखे, एयर कन्डीशनिंग, मोटरें इत्यादि उपयोग में लाई जाती हैं जो कि अंततः उनकी उत्पादन लागत को कम करती हैं।

नजरिया

क्या बिजली संयंत्रों में कोयले की कमी भारी पड़ेगी

लीडिया पॉवेल, फेलो, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन

अपने यहां बिजली उत्पादन केंद्रों के पास कोयले की कमी एक गंभीर मसला है। रिपोर्ट बताती है कि देश के 72 बिजली उत्पादन केंद्रों के पास जरूरी कोयले का तीन दिन का भंडार भी नहीं बचा है। सामान्य दिनों में उनके पास तीन हफ्ते से लेकर तीन महीने तक का स्टॉक रहता है, पर हालिया भू-राजनीतिक और मौसमी परिस्थितियों के कारण उनके सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस मुश्किल की मुख्यतः तीन वजहें हैं।

पहली, हम नीतिगत कारणों से घरेलू कोयले पर ही भरोसा करते हैं और उसी का इस्तेमाल बिजली उत्पादन में करते रहे हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि विदेश से मंगाए जाने वाले उन्नत किस्म के कोयले का हम उपयोग नहीं करते, कुछ ही उत्पादन केंद्र इसके लिए विकसित किए गए हैं, मगर अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोयले की कीमत बढ़ जाने की वजह से उन केंद्रों ने भी घरेलू कोयले की खपत बढ़ा दी है। उल्लेखनीय है कि भारत में स्थानीय कोयला आमतौर पर 50 से 70 डॉलर प्रति टन मिल जाता है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उन्नत किस्म के कोयले की कीमत 260 डॉलर प्रति टन से भी ज्यादा है। दूसरी वजह, बिजली की मांग में अचानक आई तेजी है। लॉकडाउन खत्म हो जाने के बाद तमाम आर्थिक गतिविधियां फिर से शुरू हो गई हैं, और गरमी की वजह से उत्तर व दक्षिण भारत में बिजली की खपत बढ़ गई है। इतना ही नहीं, मानसूनी बारिश ने कोयले की खनन-प्रक्रिया को काफी प्रभावित किया है। यानी, एक तरफ बिजली की मांग बढ़ गई है, तो दूसरी तरफ कोयले का उत्पादन घट गया है। इसके कारण बिजली उत्पादन केंद्रों पर अचानक बोझ बढ़ गया है। तीसरी वजह, अक्षय ऊर्जा का पर्याप्त उत्पादन न हो पाना है। अभी मौसमी परिस्थितियों की वजह से सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा व जलविद्युत, तीनों से हमें उतनी मदद नहीं मिल पा रही, जितनी मिलती रही है। यहां यूरोपीय संकट गौर करने लायक है। यूरोपीय देश कोयले के विरुद्ध हमेशा से मुखर रहे हैं, इसलिए वे पवन ऊर्जा पर ज्यादा जोर देते हैं। मगर इन दिनों पवन ऊर्जा से पर्याप्त उत्पादन न होने की वजह से वे गैस की तरफ उन्मुख हुए। मगर गैस की कीमत में बढ़ोतरी के कारण अनिच्छा से ही सही, कई बिजली संयंत्रों ने कोयले का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। वहां कार्बन-टैक्स के बावजूद बिजली उत्पादन संयंत्रों का कोयले पर खर्च गैस की तुलना में कम है। कुछ लोग इस संकट को वैश्विक परिस्थितियों से जोड़कर भी देख रहे हैं। चीन के उदाहरण दिए जा रहे हैं। मगर चीन में बिजली संकट की कुछ और कहानी है। उसने भू-राजनीतिक वजहों से अपने सबसे बड़े कोयला निर्यातक ऑस्ट्रेलिया से कन्नी काट ली है। ऑस्ट्रेलिया का कोयला काफी अच्छा माना जाता है और चीन ने अपने बिजली संयंत्रों को खासा उन्नत भी बना लिया है। मगर ऑस्ट्रेलिया का क्वाड (अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया का संभावित संगठन) में शामिल होना चीन को अखरने लगा है। नतीजतन, उसने ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाने के लिए उससे होने वाले कोयला निर्यात को रोक दिया, जिसके कारण वह बिजली संकट की गिरफ्त में आ गया है। हम चाहें, तो अभी ऑस्ट्रेलिया से कोयला आयात कर सकते हैं। लेकिन इसकी कीमत काफी ज्यादा पड़ेगी और अगर इसका इस्तेमाल हमने शुरू किया, तो आने वाले दिनों में उपभोक्ताओं पर इसका आर्थिक भार पड़ सकता है। ऐसे में, अपने यहां बिजली आपूर्ति में कटौती एक फौरी रणनीति हो सकती है। शहरों में शायद ही बिजली गुल हो, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे जाहिर तौर पर कृषि पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, यह संकट ज्यादा लंबा चलेगा नहीं। कोल इंडिया ने अपने उत्पादन बढ़ा दिए हैं और भंडारण-नीति में भी उसने कुछ बदलाव किए हैं। इसका असर जल्द ही दिख सकता है। वास्तव में, उसके सामने दोतरफा मुश्किल है। एक तरफ कोयले के खनन को कम करने और उस पर देश की निर्भरता घटाने का दबाव है, तो दूसरी तरफ, अक्षय ऊर्जा की अपनी मुश्किलों के कारण जब बिजली की मांग बढ़ती है, तो कोयले की आपूर्ति के लिए कोल इंडिया पर ही उम्मीद जताई जाती है। ऐसे में, अभी यही कहा जा सकता है कि इस कोयले संकट का हल भी वह जल्द निकाल लेगा।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन दिनों में दूसरी बार सस्ता हुआ सोना वायदा, कीमत 46800 रुपये के पार

नई दिल्ली। पिछले तीन दिनों में घरेलू बाजार में दूसरी बार सोने की वायदा कीमत में गिरावट आई। एमसीएक्स पर सोना वायदा 0.13 फीसदी नीचे 46845 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी 0.06 फीसदी नीचे 61040 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पीली धातु पिछले साल के उच्चतम स्तर (56200 रुपये प्रति 10 ग्राम) से अब भी 9355 रुपये नीचे है। अगस्त में सोने के अधिक आयात के बावजूद, भारत में सोने की भौतिक मांग कमजोर रही। घरेलू डीलरों को उम्मीद है कि त्योहारी सीजन में और ग्राहक आएंगे। इस सप्ताह के अंत में आने वाले महत्वपूर्ण अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल डाटा से पहले निवेशक सतर्क रहे। हाजिर सोना 0.2 फीसदी गिरकर 1,758.93 डॉलर प्रति औंस हो गया। अन्य कीमती धातुओं में चांदी 0.2 फीसदी गिरकर 22.55 डॉलर प्रति औंस हो गई। जबकि प्लैटिनम 0.5 फीसदी नीचे 979.46 डॉलर पर रहा। खुदरा मांग में सुधार और पिछले साल के कम आधार प्रभाव की वजह से भारत में सोने का आयात सितंबर, 2021 में सालाना आधार पर 658 फीसदी बढ़कर 91 टन पहुंच गया। एक सरकारी सूत्र ने बताया कि पीली धातु की स्थानीय कीमतों के करीब छह महीने के निचले स्तर पर पहुंचने के कारण ज्वैलर्स ने त्योहारी सीजन को देखते हुए खरीदारी बढ़ाई है, जिससे आयात में इजाफा हुआ है। सितंबर, 2020 में 12 टन सोने का आयात किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने किया सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर सुनवाई से इनकार, कहा- यह नीतिगत मामला है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की उस याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया है जिसमें बैंकों के डूबे हुए कर्ज यानी NPA संबंधित मुद्दे को हल करने के लिए लोन दिए जाने के मामले पर दिशानिर्देश बनाने की मांग की गई थी। मामले में कोर्ट ने कहा है कि, 'यह नीतिगत विषय है। याचिकाकर्ता भारतीय रिजर्व बैंक को ज्ञापन दे।'

सुब्रमण्यम स्वामी ने याचिका में गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) पर लगाम लगाने के लिए विशेषज्ञ समिति बना दिशानिर्देश बनाने की मांग की थी, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने विचार करने से इनकार किया और आरबीआई के समक्ष अपनी बात रखने के लिए कहा है। मालूम हो कि 2015 में बैंकों की संपत्ति का आकलन किया गया था जिसमें बैंकों के भारी-भरकम एनपीए राशि के बारे में खुलासा हुआ था। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकों की हालत लगातार सुधर रही है। 2018 में 21 में से सिर्फ दो सरकारी बैंक ही फायदे में थे, लेकिन 2021 में सिर्फ दो बैंकों को घाटा हुआ है।

टाटा स्टील का एकीकृत उत्पादन जुलाई-सितंबर तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 77.8 लाख टन

नई दिल्ली। टाटा स्टील का एकीकृत इस्पात उत्पादन चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 77.8 लाख टन पर पहुंच गया।

इससे पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का उत्पादन 72.5 लाख टन रहा था।

टाटा स्टील ने बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी बिक्री करीब छह प्रतिशत घटकर 74 लाख टन रह गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 78.7 लाख टन रही थी।

भारत में टाटा स्टील का उत्पादन 47.3 लाख टन रहा, जो एक साल पहले समान तिमाही में 45.9 लाख टन रहा था। तिमाही के दौरान घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री 46.4 लाख टन रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 50.5 लाख टन रही थी।

टाटा स्टील यूरोप का उत्पादन बढ़कर 25.6 लाख टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 21.5 लाख टन था। यूरोप में कंपनी की बिक्री 22.7 लाख टन से घटकर 21.6 लाख टन रह गई। टाटा स्टील दक्षिण एशिया का उत्पादन 5.1 लाख टन से घटकर 4.9 लाख टन रह गया। कंपनी की बिक्री बढ़कर छह लाख टन पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 5.5 लाख टन रही थी।

कॉइनस्विच कुबेर ने 26 करोड़ डॉलर जुटाए, भारत में दूसरी क्रिप्टो यूनिकॉर्न बनी

मुंबई। कॉइनस्विच कुबेर ने वित्तपोषण के एक दौर में विभिन्न निवेशकों से 26 करोड़ डॉलर (लगभग 1,943 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। नियामक द्वारा क्रिप्टो करेंसी को लेकर जताई गई चिंता के बावजूद कॉइनस्विच कुबेर अपनी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी कंपनी कॉइनडीसीएक्स के बाद यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने वाला दूसरा क्रिप्टो एक्सचेंज बन गई है। यूनिकॉर्न से आशय ऐसी स्टार्टअप कंपनी से है जिसका मूल्यांकन एक अरब डॉलर से अधिक होता है।

कॉइनस्विच कुबेर ने कहा कि उसने आंद्रेसेन होरोविट्ज़ (ए16जेड), कॉइनबेस वेंचर्स और मौजूदा निवेशकों पैराडिगम, रिबिट कैपिटल, सिकोया कैपिटल इंडिया और टाइगर ग्लोबल से यह पैसा जुटाया है। कंपनी के अनुसार आंद्रेसेन होरोविट्ज़ एक उद्यम पूंजी कंपनी है जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से भविष्य का निर्माण करने वाले साहसिक उद्यमियों का समर्थन करने के लिए जानी जाती है। वही कॉइनबेस क्रिप्टो अर्थव्यवस्था बनाने से संबंधित शुरुआती कंपनियों में से है और दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंजों में से एक का संचालन करती है। कॉइनस्विच ने कहा कि इस राशि का इस्तेमाल वह घरेलू बाजार में क्रिप्टो का एक नाम बनाने के साथ-साथ देश में क्रिप्टो उद्योग के बारे लोगों को समझाने के लिए करेगी। इसमें इंजीनियरिंग, उत्पाद, डेटा और विशेषज्ञों को नियुक्त करना भी शामिल है। उल्लेखनीय है भारतीय रिज़र्व बैंक ने पहले भी कई बार बिटकॉइन जैसी निजी क्रिप्टोकरेंसी के बारे में चिंता व्यक्त की है और सरकार को इस बारे में अवगत कराया है।

मुकेश अंबानी भारत में लॉन्च करेंगे अमेरिका का ये दिग्गज स्टोर, नौ अक्तूबर से होगी शुरुआत

मुंबई। भारत के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहयोगी कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड ने कहा है कि वह अमेरिका के दिग्गज स्टोर 7-इलेवन को भारत में लॉन्च करने जा रही है। पहला 7-इलेवन स्टोर नौ अक्तूबर को मुंबई के अंधेरी ईस्ट में खुलेगा। इसके लिए रिलायंस रिटेल ने 7-इलेवन इंक के साथ एक मास्टर फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट किया है। इसका लक्ष्य खरीदारों को बेहतर सुविधाएं देना है। 7-इलेवन स्टोर में ग्राहकों को रोजमर्रा की जरूरतों के सामान के साथ-साथ स्नैक्स और तमाम खाने-पीने का सामान उपलब्ध होगा। मामले में RIL की रिटेल कंपनी ने कहा है कि इसके लिए अमेरिकी कंपनी भारत में अलग तरह का 7-इलेवन सुविधा रिटेल कारोबारी मॉडल को लागू करने में समर्थन करेगी। इससे पहले किशोर बियानी की अगुवाई वाली फ्यूचर ग्रुप की कंपनी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड ने कहा था कि उसने स्टोर संचालित करने के लिए अमेरिका आधारित सुविधा स्टोर ऑपरेटर ब्रांड 7-इलेवन के साथ अपने फ्रैंचाइजी अग्रीमेंट को खत्म कर दिया है। तय किए गए स्टोर नहीं खोल पाने की वजह से फ्यूचर ग्रुप के साथ एग्रीमेंट खत्म हुआ। इसके अलावा फ्यूचर फ्रेंचाइजी फीस का पेमेंट भी नहीं कर पा रहा था। मालूम हो कि 7-Eleven 18 देशों में काम करती है।

टेलीकॉम सर्विसेज सेक्टर में 100फीसदी एफडीआई के लिए जारी हुआ नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने टेलीकॉम सर्विसेज सेक्टर में ऑटोमैटिक रूट के तहत 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इससे पहले सरकार ने टेलीकॉम सेक्टर के लिए अपने कॉम्प्रिहेन्सिव पैकेज के हिस्से के तौर पर 100 प्रतिशत FDI की घोषणा की थी। कर्ज के बोझ से दबे टेलीकॉम सेक्टर को राहत देने के लिए सरकार की ओर से उपाय किए गए हैं। इनमें एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू से जुड़ी बकाया रकम का कैलकुलेशन, बकाया रकम पर चार वर्ष का मोराटोरियम और मोराटोरियम की अवधि समाप्त होने के बाद सरकार के लिए बकाया को इक्विटी में कन्वर्ट करने का विकल्प शामिल हैं।

डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड ने कहा कि टेलीकॉम सर्विसेज में फॉरेन इनवेस्टमेंट पिछले वर्ष के प्रेस नोट 3 की शर्त का विषय होगा। इसके अनुसार प्रेस नोट 3 के प्रावधानों के तहत सरकार की अनुमति की जरूरत वाले मामलों के लिए स्थिति नहीं बदलेगी। प्रेस नोट 3 में कहा गया है कि भारत के साथ बॉर्डर रखने वाले किसी देश की एंटिटी या भारत में इनवेस्टमेंट का फायदा लेने वाला मालिक अगर ऐसे किसी देश में है या उसका नागरिक है तो केवल सरकारी अनुमति से ही इनवेस्टमेंट किया जा सकता है।

सरकार की ओर से टेलीकॉम सेक्टर को दी गई राहत से वोडाफोन आइडिया की मुश्किलें कम हो सकती है। यह कंपनी पिछले कुछ वर्षों से घाटे में है और इसे कर्ज चुकाने में भी परेशानी हो रही है।

24 घंटों में दो फीसदी से ज्यादा बढ़ा लाइटक्वाइन,आगे और तेजी का अनुमान

नई दिल्ली। दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी में जमकर निवेश हो रहा है। 2021 की शुरुआत में लाइटक्वाइन 124.09 डॉलर (9,306.75 रुपये) पर था। Coin Price Forecast के मुताबिक, साल 2021 के अंत तक यह 304 डॉलर यानी 22,800 रुपये पर जा सकता है। इसमें 63 फीसदी की तेजी का अनुमान है। 2022 की पहली छमाही में यह 419 डॉलर पर पहुंच सकता है। वहीं 2022 के अंत तक यह 537 डॉलर (40,275 रुपये) पर पहुंच सकता है, जो मौजूदा कीमत से करीब 188 फीसदी ऊपर है। वहीं Trading Beasts के अनुसार, 2024 के अंत में यह 289 डॉलर (21,675 रुपये) का होगा। यह अधिकतम 361 डॉलर यानी 27,075 रुपये पर जा सकता है और इसकी न्यूनतम कीमत 246 डॉलर हो सकती है।

क्या है लाइटक्वाइन ? दुनिया में कई क्रिप्टोकरेंसी मौजूद हैं। इनकी अनेक विशेषताएं और अनूठी पहचान है। साल 2010 के अंत में, पूर्व-गूगलर Charlie Lee ने कुछ अलग सोचा। चार्ली ली को बिटक्वाइन के बारे में तो पता था, जिसे अक्सर डिजिटल गोल्ड कहा जाता है, लेकिन वे निवेशकों के लिए कुछ खास चाहते थे। वास्तव में, लाइटक्वाइन (लाइट + क्वाइन) को अपना विशिष्ट नाम बिटक्वाइन से ही मिला है। एक तरह से यह बिटक्वाइन का ही इम्प्रोवाइज्ड वर्जन है। प्रोटोकॉल ने क्रिप्टोकरेंसी की संपूर्ण स्थिरता के लिए इसे दीर्घायु और अधिक विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए और अच्छा किया है। लाइटक्वाइन का प्रमुख ध्यान क्रिप्टोकरेंसी बाजार की स्थिति के अनुसार बढ़ती उपभोक्ता मांगों को पूरा करने के लिए ब्लॉकचेन की शक्ति को अनलॉक करके विशेष रूप से वैश्विक भुगतान बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। लाइटक्वाइन गति, लागत और विश्वस्नीयता में तेजी लाने में सफल रहा है।

जनवरी-अगस्त में एनसीआर में घरों की बिक्री 22फीसदी घटी: प्रॉपइक्विटी

नई दिल्ली। डेटा एनालिटिक्स कंपनी प्रॉपइक्विटी के अनुसार इस साल जनवरी-अगस्त के दौरान दिल्ली-एनसीआर के संपत्ति बाजार में घरों की बिक्री 22 प्रतिशत गिरकर 16,846 इकाई रह गई लेकिन नई आपूर्ति 42 प्रतिशत बढ़कर 17,615 इकाई पर पहुंच गई। प्रॉपइक्विटी ने जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि शीर्ष सात शहरों में घरों की बिक्री जनवरी-अगस्त, 2021 में 17 प्रतिशत बढ़कर 1,99,243 इकाई हो गई। एक साल पहले समान अवधि में यह आंकड़ा 1,65,308 इकाई का रहा था।

हालांकि, समीक्षाधीन अवधि के दौरान इन सात शहरों में नई पेशकश, जनवरी-अगस्त 2020 की 1,58,102 इकाइयों की तुलना में दो प्रतिशत गिरकर 1,54,246 इकाई हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे में इस अवधि के दौरान घरों की बिक्री में क्रमशः 11 प्रतिशत, 27 प्रतिशत, 35 प्रतिशत, 20 प्रतिशत और 22 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। प्रॉपइक्विटी ने कहा, केवल कोलकाता और दिल्ली-एनसीआर में बिक्री में क्रमशः 11 प्रतिशत और 22 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

प्रॉपइक्विटी के प्रबंध निदेशक और संस्थापक समीर जसूजा ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में, खासतौर पर जून के बाद से घरों की बिक्री में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, ÷यह चलन 2021 में जारी रहेगा क्योंकि त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है, जो परंपरागत रूप से पूरे भारत में घर खरीदने का सबसे अच्छा समय रहता है। भारत में कोविड-19 टीकाकरण अभियान में भी तेजी आई है और हमें अक्टूबर में एक अरब खुराक का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। इससे बाजार की धारणा में और सुधार होगा।'सभी शहरों में हैदराबाद में जनवरी-अगस्त 2021 के दौरान कुल बिक्री सबसे ज्यादा 35 प्रतिशत बढ़कर 25,716 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 16,645 इकाई थी।

नहीं आ रहे अच्छे दिनः इस महीने में छठवीं बार महंगे हुए पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। भारतीय तेल कंपनियों ने फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया है। दिल्ली में डीजल के दाम में 35 पैसे और पेट्रोल के दाम में 30 पैसे प्रति लीटर बढ़े हैं। इसके बाद यहां पेट्रोल 103.24 और डीजल 91.83 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इस महीने ये छठवीं बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं।

इस महीने पेट्रोल 1.60 और डीजल 1.90 रुपए महंगा हुआ

इस महीने सिर्फ 7 दिन में ही पेट्रोल 1.60 और डीजल 1.90 रुपए महंगा हो चुका है। IIFL सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि कच्चे तेल की मांग बढ़ने के कारण इसके दाम 80 डॉलर के पार निकल गए हैं और ये आने वाले दिनों में 90 डॉलर तक जा सकते हैं। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमत में 2 से 3 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

इस साल अब तक पेट्रोल 19.27 और डीजल 17.71 रुपए महंगा हुआ

इस साल 1 जनवरी को पेट्रोल 83.97 और डीजल 74.12 रुपए प्रति लीटर था। अब ये 103.24 और 91.83 रुपए प्रति लीटर पर है। यानी 9 महीने से भी कम में पेट्रोल 19.27 और डीजल 17.71 रुपए महंगा हुआ है।

आने वाले सालों में कितनी बढ़ेगी दुनिया की दूसरी सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम?

नई दिल्ली। 29 अप्रैल को इथेरियम 2799 डॉलर (करीब 2,09,925 रुपये) पर कारोबार कर रही थी। आज यह 2,64,381 रुपये की है। रिसर्च वेबसाइट फाइंडर और यूके स्थित बहुराष्ट्रीय बैंक, स्टैंडर्ड चार्टर्ड की वैश्विक शोध टीम के अनुसार, इस साल के अंत तक यह 4512 डॉलर यानी करीब 3,38,400 रुपये तक जा सकती है। मौजूदा समय में एक इथेरियम की कीमत 3,525.08 डॉलर है। आइए जानते हैं शोध टीम के अनुसार आगामी वर्षों में इसकी कीमत कितनी बढ़ेगी।

2025 तक 19842 डॉलर हो सकती है कीमत

वहीं साल 2025 तक एक इथेरियम की कीमत 19842 डॉलर यानी करीब 14,88,150 रुपये का स्तर छू सकती है। थॉमसन रॉयटर्स के टेक्नोलॉजिस्ट Joseph Raczynski और एलएमएक्स समूह के Joel Kruger सहित पैनलिस्ट्स का मानना है कि इथेरियम के मूल्यांकन और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। स्टैंडर्ड चार्टर्ड का यह भी मानना है कि चल रहे अपग्रेड से इथेरियम की कार्यक्षमता और दक्षता में सुधार होगा।

क्या इथेरियम खरीदने का है सही समय?

59 फीसदी पैनलिस्ट्स का मानना है कि यह इथेरियम खरीदने का सही समय है। वहीं 28 फीसदी पैनलिस्ट्स ने निवेशकों को इथेरियम को होल्ड पर रखने की सलाह दी। स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने भविष्यवाणी की थी कि इथेरियम 10 गुना बढ़कर 26 हजार से 35 हजार डॉलर तक पहुंच सकता है।

क्या 2022 में सबसे ज्यादा इथेरियम का होगा लेनदेन?

51 फीसदी फाइंडर रिसर्च पैनल का मानना है कि साल 2022 में इथेरियम सबसे ज्यादा खरीद-बिक्री की जाने वाली क्रिप्टोकरेंसी होगी। जबकि 49 फीसदी पैनलिस्ट्स का मानना है कि बिटक्वाइन में सबसे ज्यादा लेनदेन होगा।

2015 में हुई थी लॉन्च

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम एक ब्लॉकचेन आधारित सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म है। इसे 2015 में विटालिक ब्यूटेरिन ने लॉन्च किया था। इथेरियम न केवल एक क्रिप्टोकरेंसी है, बल्कि विकेन्द्रीकृत एप स्टोर भी है जो डेवलपर्स को एप्लिकेशन बनाने, पब्लिश करने और वितरित करने में मदद करता है।

कैबिनेट फैसले: 4445 करोड़ रुपये की लागत से बनेंगे सात टेक्सटाइल पार्क, 21 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली। कपड़ा क्षेत्र के लिए 10,683 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना जारी करने के बाद सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्रीय कैबिनेट ने सात बड़े एकीकृत कपड़ा क्षेत्र और टेक्सटाइल पार्क बनाने को मंजूरी दे दी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि पीएम मित्र योजना के तहत अगले पांच साल में 4,445 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सात टेक्सटाइल पार्क के जरिये प्रधानमंत्री के 5एफ विजन की नींव पड़ेगी। उनकी योजना फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन के जरिये भारत को कपड़ा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की है। पीएम मित्र योजना के जरिये देश में विश्व स्तरीय औद्योगिक ढांचे का निर्माण होगा और स्थानीय निवेश के साथ एफडीआई बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। गोयल ने कहा कि निर्माण पूरा होने के बाद हर टेक्सटाइल पार्क एक साल प्रत्यक्ष और दो लाख प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगा। इस तरह, पांच साल में 21 लाख प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे।

मालभाड़े में आएगी कमी, 10 राज्यों ने दिखाई रुचि

एकीकृत मेगा पार्क में कताई, बुनाई, रंगाई, प्रसंस्करण और कपड़ा विनिर्माण के लिए छपाई का काम एक ही जगह पर किया जाएगा। इससे माल ढुलाई का खर्च बचेगा और उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। अभी तक 10 राज्यों ने अपने यहां पार्क स्थापित करने में रुचि दिखाई है। इनमें तमिलनाडु, पंजाब, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, असम, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं।

सेमीकंडक्टर के लिए सरकार बनाएगी टास्क फोर्स

वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली चिप सेमीकंडक्टर की कमी पर निगरानी के लिए सरकार टास्क फोर्स का गठन करेगी। वैश्विक स्तर पर मांग बढ़ने और उत्पादन में कमी आने से सेमीकंडक्टर की आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ा है। साथ ही ई-वाहनों, लैपटॉप, स्मार्टफोन और घरेलू उपकरणों में भी इसका इस्तेमाल बढ़ता जा रहा। वाहन कंपनियों का कहना है कि जनवरी, 2022 के बाद ही देश में सेमीकंडक्टर की स्थिति में सुधार आने की संभावना है। टाटा सहित कई कंपनियों ने देश में सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की इच्छा जताई है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यह टास्क फोर्स देश में सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन पर भी सुझाव देगी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा: वैश्विक न्यूनतम कर को लेकर व्यवस्था को अंतिम रूप देने के आखिरी चरण में है भारत

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत, जी-20 में दो-स्तंभ वाले कराधान प्रस्ताव की बारीकियों तक पहुंचने के बहुत करीब है। उन्होंने कहा कि भारत इसके विवरण को अंतिम रूप देने के आखिरी चरण में है। जी-20 देशों के वित्त मंत्री 13 अक्तूबर को वाशिंगटन में मुलाकात करेंगे।

आईसीआरआईईआर (अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों पर अनुसंधान के लिए भारतीय परिषद) की वार्षिक अंतरराष्ट्रीय जी20 कॉन्फ्रेंस में सीतारमण ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कर व्यवस्था के मुद्दों के लिए दो स्तंभ वाला समाधान एक उन्नत कार्यान्वयन चरण में पहुंचेगा जिसका संचालन भारत को करना होगा। निर्मला सीतारमण ने आगे कहा, इस समय, हम दो स्तंभ वाले प्रस्ताव की बारीकियों के संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पहुंचने के बहुत करीब हैं। हम इस पर पहले ही बातचीत कर चुके हैं और इसके फ्रेमवर्क पर सहमति जता चुके हैं। हम इसके विवरण को अंतिम स्वरूप देने के आखिरी चरण में हैं। इस साल जुलाई में कुल 130 देश वैश्विक कर नियमों में सुधार करने पर सहमत हुए थे। इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाना है कि एक से अधिक देश की नागरिकता रखने वाले लोग वहीं पर कर चुकाएं (न्यूनतम 15 फीसदी) जहां पर वह काम कर रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने तब इसे लेकर कहा था कि लाभ आवंटन में हिस्सेदारी और कर नियमों के दायरे सहित कुछ अहम मुद्दों को संबोधित किया जाना बाकी है और प्रस्ताव के तकनीकी विवरण पर काम करने के बाद अक्तूबर तक इस संबंध में एक सर्वसम्मत समझौता होने की उम्मीद है। इस दो स्तंभ वाले प्रस्तावित समाधान में दो घटकों को शामिल किया गया है। इनमें पहला स्तंभ, बाजार के अधिकार क्षेत्र में अतिरिक्त लाभ के हिस्से के दोबारा आवंटन को लेकर है। वहीं, दूसरे स्तंभ में न्यूनतम कर और कर नियमों के विषयों को रखा गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपने अंतिम मैच में पंजाब ने चेन्नई पर 6 विकेट से दर्ज की धमाकेदार जीत

आईपीएल 2021: राहुल के आगे बेबस हुआ चेन्नई का बॉलिंग अटैक, जीत से पंजाब की प्लेऑफ की पहुंचने की उम्मीदें बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के 53वें मुकाबले में पंजाब किंग्स की टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को एकतरफा मुकाबले में 6 विकेट से हराया। सीएसके से मिले 135 रनों के लक्ष्य को पंजाब ने कप्तान केएल राहुल की 98 रनों की विस्फोटक पारी के दम पर महज 13 ओवर में ही चेज कर दिया। इस जीत के साथ पंजाब ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भी जिंदा रखा है। इससे पहले चेन्नई ने बैटिंग करते हुए फाफ डुप्लेसी की 76 रनों की आतिशी पारी के बूते 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 134 रन बनाए। गेंदबाजी में पंजाब की ओर से क्रिस जोर्डन और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट झटके।

केएल राहुल ने पंजाब के लिए हासिल किया ये खास रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने पंजाब के लिए अब 2018 से लेकर अब तक 55 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2487 रन बनाए हैं। पंजाब ने यह उपलब्धि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2021 के 53वें मैच में हासिल की। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ अर्धशतक केवल 25 ही गेंदों पर जमाया। खबर लिखे जाने तक राहुल खेल ही रहे थे। राहुल का पंजाब के लिए नाबाद 132 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने पंजाब के लिए अबतक दो शतक और 22 अर्धशतक भी लगाए हैं। राहुल से पहले पंजाब के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श के नाम था, जिन्होंने पंजाब के लिए 2477 रन बनाए थे। मार्श ने पंजाब के लिए एक शतक और 20 अर्धशतक भी जमाए थे। इस मामले में डेविड मिलर पंजाब के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। मिलर के नाम 1974 रन है। मिलर अब राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल चौथे नंबर पर है,? जिनके नाम 1383 रन है। मैक्सवेल अब रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का हिस्सा हैं। क्रिस गेल 1339 रनों के साथ पांचवें नंबर पर है।

अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सुपर स्टार बनने जा रहे हैं गार्टन: बुचर

दुबई। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क बुचर ने कहा है कि इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी जॉर्ज गार्टन अंतरराष्ट्रीय और साथ ही फ्रेंचाइजी क्रिकेट में एक सुपरस्टार बनने जा रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात में आईपीएल 2021 के दूसरे चरण से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन के रिप्लेसमेंट के रूप में गार्टन को लिया था। दो मैचों में उन्होंने दो विकेट चटकाए हैं। बुचर ने क्रिकेट डॉट कॉम के शो में कहा, मुझे यह तथ्य पसंद है कि गार्टन को आरसीबी के लिए मौका मिला है क्योंकि मुझे लगता है कि वह दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सुपरस्टार बनने जा रहे हैं। उनके पास सब कुछ है। उन्होंने कहा, ग्लेन मैक्सवेल मेरी नंबर एक पसंद हैं। एबी डिविलियर्स शांत रहे हैं, लेकिन वह अभी भी डिविलियर्स हैं। अपने करियर के बैकएंड में डैन क्रिस्टियन शॉर्ट-फॉर्म क्रिकेट में एक शानदार खिलाड़ी बन गए।

ईशान ने ओपनर के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है: कोल्टर नाइल

शारजाह। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज नाथन कोल्टर नाइल ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ विशेष पारी के बाद उन्हें लगता है कि ईशान किशन ने ओपनर के तौर पर अपनी जगह शायद पक्की कर ली है। कोल्टर नाइल ने राजस्थान के खिलाफ 14 रन देकर चार विकेट लिए जबकि ईशान ने नाबाद 50 रनों की पारी खेल मुंबई को जीत दिलाई।

कोल्टर नाइल ने कहा, मुझे लगता है कि रनों के बीच किसी का भी होना अच्छा है। ईशान का आना वास्तव में अच्छा था, खासकर कुछ मैचों को मिस करने के बाद। इतने कठिन विकेट पर प्रदर्शन करना बेंच पर बैठे उन लोगों की गुणवत्ता को दर्शाता है जो हमारे लिए आते हैं और प्रदर्शन करते हैं। इसलिए, मैं उसे रन बनाते हुए देखकर वास्तव में खुश था। अब जब वह फॉर्म में वापस आ गए हैं, तो वह आगे जाकर उस फॉर्म को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरे ख्याल से ईशान का शीर्ष पर बल्लेबाजी करना उनके लिए अच्छा है। उन्हें अपने शॉट्स खेलना पसंद है। क्विंटन डी कॉक के बाहर रहने से वह शीर्ष स्थान पर बल्लेबाजी करने आ सकते हैं। उन्होंने शायद यहां अपनी जगह पक्की कर ली है।

प्लेऑफ की दौड़ में मुंबई के लिये एसआरएच के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

अबुधाबी। (एजेंसी)।

पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस को आईपीएल प्लेआफ में जगह बनाने के लिये शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 'करो या मरो' के मैच में हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराने के बाद मुंबई अब 13 मैचों में 12 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। उसका नेट रनरेट माइनस 0.048 है। दूसरी ओर कोलकाता नाइट राइडर्स का रनरेट प्लस 0 . 294 है जो 13 मैचों में 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसका सामना शारजाह में गुरूवार को राजस्थान रायल्स से होगा। रॉयल्स को हराने पर केकेआर के 14 अंक हो जायेंगे और उनका रनरेट भी बेहतर होगा। ऐसे में मुंबई जीत भी जाती है तो उसके लिये क्वालीफाई करना मुश्किल होगा क्योंकि केकेआर और उसके नेट रनरेट में काफी अंतर है। यह पूछने पर कि क्या सनराइजर्स जैसी टीम से आखिरी मैच खेलने का फायदा मिलेगा, मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था ,'' सभी आठ टीमें एक दूसरे को हरा सकती है। अच्छी बात यह है कि केकेआर का मैच हमसे

पहले है तो हमें पता है कि क्या करना है।''

केकेआर के हारने पर मुंबई को बस जीत की जरूरत होगी। रोहित (363 रन) को एक बार फिर मोर्चे से अगुवाई करनी होगी। उन्हें अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलना होगा जो इस आईपीएल में वह नहीं कर पा रहे। वहीं रॉयल्स के खिलाफ आक्रामक अर्धशतक लगाकर ईशान किशन का आत्मविश्वास बढा होगा। मुंबई का मध्यक्रम खराब फॉर्म में है। बेहद प्रतिभाशाली सूर्यकुमार यादव (235 रन), हरफनमौला हार्दिन पंड्या (117 रन), कीरोन पोलार्ड (232 रन) और सौरभ तिवारी (115 रन) को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मुंबई टीम प्रबंधन हालांकि अपने गेंदबाजों के प्रदर्शन से खुश होगा जिसने पिछले मैच में रॉयल्स को 90 रन पर आउट कर दिया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक 19 विकेट ले चुके हैं। वहीं पिछले मैच में नाथन कूल्टर नाइल ने चार विकेट चटकाये थे। ट्रेंट बोल्ट और स्पिनर जयंत यादव से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दूसरी ओर प्लेआफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी सनराइजर्स जीत के साथ विदा लेना चाहेगी। कप्तान केन विलियमसन ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन किया और वह इस लय को कायम रखना चाहेंगे।

प्लेऑफ से पहले दिल्ली जैसी मजबूत टीम को हराना चाहेगी आरसीबी

दुबई। (एजेंसी)।

प्लेआफ में जगह बना चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर पिछले मैच की हार को भुलाकर आखिरी राउंड रॉबिन मैच में शीर्ष पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स को हराकर अगले दौर में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरना चाहेगी। दिल्ली के 13 मैचों में 20 अंक है और उसका शीर्ष दो में रहना तय है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों बुधवार को मिली हार के बाद आरसीबी का अंकतालिका में दूसरे स्थान पर रहना कठिन हो गया है। उसके 16 अंक है और नेट रनरेट भी दूसरे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स से कम है। कप्तान विराट कोहली की नजरें हालांकि चेन्नई और पंजाब किंग्स के बीच गुरूवार

को होने वाले मैच पर लगी होंगी जिससे तस्वीर साफ हो जायेगी कि दूसरे स्थान पर रहने के लिये उन्हें क्या करना होगा। यह फिलहाल तो असंभव नजर आ रहा है। एबी डिविलियर्स, ग्लेन मैक्सवेल, कोहली और देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाजों के रहते आरसीबी 142 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी।

नॉकआउट चरण से पहले कप्तान कोहली को इस पर विचार करना होगा चूंकि मैक्सवेल और डिविलियर्स जैसे बल्लेबाज अपने दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं। मैक्सवेल अब तक पांच अर्धशतक समेत 447 रन बना चुके हैं जबकि डिविलियर्स अपने चिर परिचित फॉर्म में नजर नहीं आये। कोहली और पडिक्कल से अच्छी शुरूआत मिलने पर आरसीबी का मध्यक्रम कहर बरपा सकता है।पिछले मैच में कोहली का विकेट पहले ही ओवर में गिरने से टीम दबाव में आ गई थी।

आरसीबी के गेंदबाजों का प्रदर्शन प्रशंसनीय रहा है।मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल और जॉर्ज गार्टन ने तेज गेंदबाजी का जिम्मा बखूबी संभाला है।स्पिन में युजवेंद्र चहल ने अच्छे स्पैल डाले हैं। दूसरी ओर ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली टीम ने पिछले पांच में से चार मैच जीते हैं और लीग चरण के बाद उसका आत्मविश्वास बुलंद है। पृथ्वी साव के लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के बावजूद दिल्ली की बल्लेबाजी मजबूत रही है। शिखर धवन 13 मैचों में 501 रन बना चुके हैं। श्रेयस अय्यर और पंत ने भी कई मौकों पर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उन्हें लगातार अच्छा खेलना होगा।

केन से लेकर कोहली तक, इस कश्मीरी गेंदबाज की रफ्तार की सभी ने की प्रशंसा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जब गेंद की तेजी की बात होती है तो फिलहाल के दौर में एनरिच नोर्त्जे (दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज) का नाम आता है जिन्होंने पिछले सत्र में आईपीएल 2020 की सबसे तेज गेंद डाली थी लेकिन इस सीजन में यह रिकॉर्ड एक भारतीय के नाम पर दर्ज हुआ।

बैंगलोर के खिलाफ उन्होंने 9वां ओवर डाला और उन्होंने 147, 151, 152 और फिर 153 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डाली। यह संभवत किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा आईपीएल में डाली गई सबसे तेज गेंद भी हो सकती है।उनकी गेंदबाजी की तारीफ सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियम्सन से लेकर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने की है।

प्ले आफ के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी आरसीबी की टीम बुधवार को 142 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उमरान (21 रन पर एक विकेट), सिद्धार्थ कौल (24 रन पर एक विकेट), भुवनेश्वर कुमार (25 रन पर एक विकेट) और जेसन होल्डर (27 रन पर एक विकेट) की किफायती गेंदबाजी के सामने छह विकेट पर 137 रन ही बना सकी।

सनराइजर्स ने हर्षल पटेल (33 रन पर तीन विकेट), डैन क्रिस्टियन (14 रन पर दो विकेट) और युजवेंद्र चहल (27 रन पर एक विकेट) की प्रभावी गेंदबाजी के सामने सात विकेट पर 141 रन बनाए थे।

बेंगलुरु के कप्तान ने उमरान मलिक की तारीफ करते हुए कहा, ÷ वह गेंद के साथ शानदार रहे हैं। यह टूर्नामेंट हर साल प्रतिभाओं को सामने लाता है। उमरान मलिक को 150 की गति से गेंदबाजी करते हुए देख कर अच्छा लगा। यहां से खिलाड़ियों की प्रगति को समझना जरूरी है। तेज गेंदबाजों का मजबूत होना हमेशा भारतीय क्रिकेट के लिए एक अच्छा संकेत है और जब भी आप इस तरह की प्रतिभा देखते हैं तो आप उन पर नजर रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी क्षमता को और बढ़ाए जो पहले से ही आईपीएल स्तर पर देखा जा रहा है। हम हार और जीत दोनों को संभालने के लिए एक टीम के रूप में बहुत पेशेवर रहे हैं। हम हार के साथ शीर्ष पर या बहुत नीचे नहीं रहे हैं। सफर में थोड़ी रुकावट आई है, लेकिन हम उसी रफ्तार से आगे बढ़ते रहेंगे।

मैच में 31 रन की पारी खेल कर 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे केन कप्तान विलियमसन ने नए युवा गेंदबाज उमरान मलिक के बारे में कहा, ÷ यकीनन वह खास हैं। हमने उन्हें पिछले कुछ सीजनों में नेट्स में देखा था। वह एक वास्तविक प्रतियोगी हैं और धीमी सतहों पर भी प्रभावी साबित हो रहे हैं। उनके पास टीम में कई साथी हैं, जिनसे उन्हें ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलती है। जीत में योगदान करना युवाओं के लिए एक शानदार अवसर है। उम्मीद है कि हम सीखते रहेंगे और शुक्रवार को अपने आखिरी मैच इसी तरह से खेलेंगे। हमारे कई मैच आखिरी ओवर में खत्म हुए हैं। हम कोशिश करते हैं कि योजनाओं पर अच्छे से अमल किया जाए। कोई भी पिच आपको लय में आने की अनुमति नहीं देती है।

सनराइजर्स के हरफनमौला खिलाड़ी जैसन होल्डर ने भी मलिक की तारीफ करते हुए कहा

,'' उसकी रफ्तार देखिये। वह बेहद उपयोगी खिलाड़ी है। वह लगातार अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और उसने कई शानदार गेंद डाली।हमारे लिये उसे खेलना मुश्किल हो गया था।''

उन्होंने यह भी कहा कि पहले ओवर में कोहली का विकेट मिलने से उनका काम आसान हो गया । उन्होंने कहा ,'' जब आपके पास राशिद खान के रूप में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हो जो पहले ही ओवर में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को आउट कर दे तो यह काफी अहम होता है । उसके पहले ओवर में आउट होने से हमने आरसीबी पर दबाव बना दिया।'

विश्व कप निशानेबाजी: महिलाओं की तिकड़ी ने 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में हासिल किया गोल्ड

लंदन। (एजेंसी)।

लीमा। मनु भाकर, रिदम सांगवान और नामया कपूर की तिकड़ी ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में भारत के शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में अमेरिका को 16 . 4 से हराया। यह मनु का इस स्पर्धा में चौथा स्वर्ण है और उसने एक कांस्य पदक भी जीता है।वहीं 14 वर्ष की कपूर का यह दूसरा स्वर्ण है। उसने 25 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में भी स्वर्ण जीता था। भारत ने पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में रजत जीता जब आदर्श सिंह अमेरिका के हेनरी टर्नर लेवेरेट से फाइनल में हार गए। भारत अब तक नौ स्वर्ण, सात रजत और तीन कांस्य जीतकर अंकतालिका में शीर्ष पर है। अमेरिका पांच स्वर्ण और कुल 16 पदक के साथ दूसरे स्थान पर है। मनु, रिदम और कपूर के लिये मुकाबला आसान रहा। उन्होंने जल्दी ही 10 . 4 की बढत बना ली और रैपिड फायर शॉट्स के बाद यह बढत 16 . 4 की हो गई।

क्वालीफिकेशन में भी भारतीय टीम 878 स्कोर करके शीर्ष पर रही थी। दूसरे दौर में भी अव्वल रहकर उन्होंने स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनाई। पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर में छह खिलाड़ियों में तीन भारतीय थे।आदर्श सिंह के अलावा जुड़वा भाई उदयवीर और विजयवीर सिद्धू ने भी फाइनल में जगह बनाई थी। क्वालीफिकेशन में उदयवीर 577 स्कोर करके चौथे स्थान पर रहे थे जबकि आदर्श 574 स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर थे। विजयवीर 572 स्कोर करके छठे स्थान पर रहे। फाइनल में हालांकि विजयवीर और उदयवीर सबसे पहले बाहर हुए। आदर्श ने पहली दो सीरिज में परफेक्ट 10 स्कोर किया। इसके बाद अमेरिका के टर्नर ने दबदबा बनाया और 40 में से 32 निशाने सटीक लगाकर स्वर्ण जीता। आदर्श ने 28 के साथ रजत हासिल किया। वहीं 50 मीटर राइफल प्रोन मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत के सूर्यप्रताप सिंह और सिफ्त कौर सामरा दूसरे क्वालीफिकेशन दौर से बाहर हो गए।आशी चौकसे और संस्कार हवेलिया पहले दौर में नौवे स्थान पर रहे।

नेशनल टी20 कप में बलोचिस्तान टीम के चार खिलाड़ी कोविड-19 के चपेट में

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को कहा कि चल रहे नेशनल टी20 कप में बलोचिस्तान टीम के चार खिलाड़ी कोविड-19 के चपेट में आ गए हैं। ये चार खिलाड़ी कौन हैं उनका नाम सामने नहीं लाया गया है पर चारो खिलाड़ियों को दस दिनों के लिए क्वारंटीन में रखा गया है। पीसीबी ने एक प्रेस रीलीज में कहा, बाकी सारे खिलाड़ियों का टेस्ट निगेटिव आया है और वह टूर्नामेंट में खेलते रहेंगे। मंगलवार को सभी खिलाड़ी और उनके परिवार का टेस्ट करवाया गया, जिसमें सभी निगेटिव पाए गए। पीसीबी ने कहा बलोचिस्तान कैंप में कोरोना का मतलब है उनका छह अक्टूबर के मैच को अब नौ अक्टूबर को खेला जाएगा। रीलीज में आगे कहा, सात अक्टूबर को जो मैच है वह अपने समय पर होगा उसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। बलोचिस्तान अपने खिलाड़ियों की भरपाई क्रिकेट संघ चैंपियनशिप के तीन दिवसीय टूर्नामेंट से करेगा। खिलाड़ियों का ट्रांसफर एक बबल से दूसरे बबल में किया जाएगा और रिप्लेसमेंट के तौर पर आए खिलाड़ियों को कोविड-19 के प्रोटोकॉल के तहत सीटी-पीसीआर टेस्ट से गुजरना होगा।

इंग्लैंड के खिलाड़ी कोविड से संबंधित प्रोटोकॉल को लेकर आश्वस्त होना चाहते थे: एसीए चीफ ग्रीनबर्ग

सिडनी। ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट संघ (एसीए) के मुख्य कार्यकारी टोड ग्रीनबर्ग ने बुधवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाड़ी कोविड-19 संबंधित प्रोटोकॉल को लेकर आश्वस्त होना चाहते थे। आश्वासन मिलने के बाद कप्तान जोए रूट ने खुद दिसंबर में एशेज के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है। ग्रीनबर्ग ने बुधवार को द सिडनी मोनिर्ग हेराल्ड से कहा, खिलाड़ियों को हमसे आश्वासन चाहिए था। पिछले तीन महीने में जो हुआ है वो शायद अगले तीन महीने में न हो। उन्होंने कहा, हमने खिलाड़ियों से बात की है, हमने वैक्सीनेशन दर के बारे में भी बात की और सरकार की क्या योजना है उसके बारे में भी बात की है। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने सही मुद्दा उठाया था और उन्होंने कफी पेशेवर तरीके से सभी चिजों को संभाला है और उन्हें इस बात के लिए श्रेय देना चाहिए। ग्रीनबर्ग ने कहा, इंग्लैंड की टीम यहां शानदार प्रदर्शन करेगी क्योंकि यहां कि परिस्थितियां उनके अनुकूल है और इस गर्मी में उनके लिए शानदार एशेज रहने वाला है।

दीपक चाहर ने मैदान पर अपनी गर्लफ्रेंड को किया प्रपोज, वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली। दीपक चाहर के लिए आज का मैच गेंदबाजी से भले ही उतना अच्छा नहीं हुआ हो लेकिन वह मैदान के बाहर एक चीज के लिए सुर्खियों में आ गए। उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड को प्रपोज कर दिया और इसका वीडियो वायरल हो गया।चेन्?नई सुपर किं?स के स्?टार तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने बुधवार को पांजाब किं?स के खिलाफ मैच के बाद मैदान में ही सगाई कर ली। उन्?होंने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ दर्शकदीर्घा में अंगूठी बदली। किसी फैन ने उम्?मीद नहीं की होगी कि दीपक इस तरह आईपीएल मैच के दौरान दुबई क्रिकेट स्?टेडियम में सगाई कर लेंगे। मैच खत्म होते साथ ही दीपक चाहर दर्शक दीर्घा में पहुंचे जहां उनकी गर्लफ्रेंड मौजूदी थी। दीपक चाहर ने घुटने पर बैठकर दर्शकों के सामने अपने प्यार का इजहार किया। उनकी गर्लफ्रेंड ने भी तुरंत हां करके इस रिश्ते के लिए हामी भरी। उनके इर्द गिर्द जितने फैंस थे वह भी खुश हो गए और तालियां बजाने लग गए।

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन

गुड़ एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको घर की रसोई में ही बड़ी आसानी से मिल जाएगा। इसका सेवन अगर अलग-अलग रूपों से किया जाए तो यह हमारी सेहत को नीचे बताई जा रही बीमारियों की चपेट में आने से बचाए रख सकता है। आइए इसके बारे में विस्तारपूर्वक जानते हैं।

गुड़ के फायदे

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन, इन जानलेवा बीमारियों का खतरा हो जाएगा कमसेहतमंद बने रहने के लिए हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित रूप से भी करना चाहिए। खाने के बाद हमें अक्सर किसी मीठे पदार्थ को खाने की सलाह दी जाती है ताकि पाचन क्रिया में आसानी हो। इन खाद्य पदार्थों में गुड़ का भी नाम शामिल है जो आमतौर पर सभी घरों में बड़ी आसानी से मिल जाता है। विभिन्न प्रकार के पकवानों को बनाने में भी गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अलग-अलग रूप से सेवन करें तो यह हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इस लेख में आपको गुड़ का सेवन करने से होने वाले विशेष फायदों के बारे में बताया जाएगा ताकि आप भी अपनी दिनचर्या में इसको शामिल करके सेहतमंद बने रहें।

वजन घटाने में

वजन घटाने के लिए मुख्य रूप से गुड़ के पानी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। कई मशहूर डायटिशियन भी सुझाव देते हैं कि जिन लोगों को मोटापे की समस्या है, उन्हें नियमित रूप से गुड़ के पानी का सेवन करना चाहिए1 इससे वजन को कम करने में प्रभावी रूप से असर दिखाई पड़ने लगता है।

पाचन क्रिया को ठीक करने के लिए

पाचन क्रिया को अगर थोड़ी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो यह में कई प्रकार की बीमारियों की चपेट में ला सकता है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है। फाइबर एक ऐसा पोषक तत्व है जो मुख्य रूप से पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए शरीर के लिए बहुत आवश्यक होता है। गुड़ के जरिए इस पोषक तत्वों की पूर्ति करके पाचन क्रिया को मेंटेन रखा जा सकता है।

खून की कमी होने से बचाए

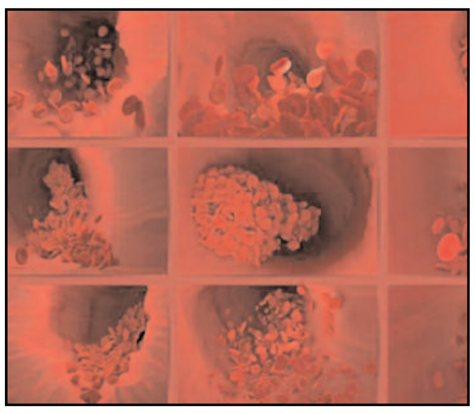

खून की कमी सबसे ज्यादा गर्भावस्था में महिलाओं को परेशान कर सकती है और यह समस्या गर्भस्थ शिशु के लिए मुसीबत बन सकती है। चूंकि गुड़ में आयरन की काफी मात्रा होती है इसलिए महिलाओं के लिए इसका सेवन खून की कमी होने से रोकेगा और जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने में भी मददगार साबित होगा। हालांकि, पहली और दूसरी तिमाही में गुड़ का सेवन न करने की सलाह दी जाती है क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है और यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने के लिए

रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को मजबूत बनाकर आप कई प्रकार कीसंक्रामक बीमारियों और कुछ जानलेवा

बीमारियों के खतरे से भी बचे रह सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, गुड में मौजूद जिंक और विटामिन-सी की मात्रा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी रूप से मददगार साबित होती है। इसलिए जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, वे गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर को कम करे

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से हर साल पूरी दुनिया में लाखों लोगों की मौत होती है। इसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। जबकि गुड़ में मौजूद पोटेशियम की मात्रा आपको हाइपरटेंशन की समस्या से बचा सकती है। इतना ही नहीं, गुड में मौजूद पोटैशियम की मात्रा आपके ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने के साथ-साथ स्ट्रोक, ओस्टियोपोरोसिस और किडनी स्टोन की समस्या से भी शरीर को सुरक्षा प्रदान करती है।

लिवर को साफ रखने के लिए

लिवर की क्लीनिंग करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यहां अल्सर और इंफेक्शन की भी समस्या हो सकती है। लिवर में अगर लंबे समय तक संक्रमण बना रहता है तो यह कैंसर का रूप ले सकता है। जबकि गुड़ में मौजूद डिटॉक्सिक गुण टॉक्सिक पदार्थों को लिवर से बाहर निकालने का कार्य कर सकता है। इसके लिए आप चाहे तो गुड़ को गर्म पानी में उबालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

गुड़ खाने के नुकसान क्या हैं?

गुड़ खाने के फायदे के साथ-साथ आपको इससे होने वाले संभावित नुकसान के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि आप अपनी सेहत का खास ख्याल रख सकें। अधिक मात्रा में किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करना नुकसानदायक होता है और गुड़ के साथ भी यही बात लागू होती है। अधिक मात्रा में यदि आप गुड़ का सेवन करते हैं तो यह शुगर, मोटापा और टाइप टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ा सकता है।

जल्द स्वीकार करना होगा कोरोना से जुड़ा यह सच!

कोरोना से जुड़े सभी पक्षों पर अगर गौर करें तो यह बात साफ है कि कोविड-19 के साथ जीने की हमें आदत डालनी होगी। इसलिए बेहतर तो यही है कि इस वायरस से डरने की जगह हम इसे स्वीकार कर लें।

कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए दुनियाभर में वैक्सीन और दवाओं को विकसित करने का दौर जारी है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की मानें तो दुनियाभर में करीब 17 वैक्सीन ऐसी हैं, जो अपने परीक्षण के कई स्तर पार करते हुए अब इंसानों पर परीक्षण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि जानकारी मिलने तक डब्ब की तरफ से इन वैक्सीन्स में एक भी भारतीय वैक्सीन को सम्मिलित नहीं किया गया था।

दुनियाभर में कोरोना वैक्सीन की तैयारी

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इस समय दुनिया के 147 देशों में कोरोना वायरस की वैक्सीन और इसकी दवाएं विकसित की जा रही हैं। इनमें से करीब 17 वैक्सीन ऐसी हैं, जो सभी प्राथमिक चरण पार करके मानवीय परीक्षण (क्व्द्वथ्द्र ट्वन्द्वथ्द्य) के लिए तैयार हैं और इनका असर अब इंसान के शरीर पर देखा जा रहा है। हालांकि इन सभी जानकारियों के बीच जो सबसे अधिक असमंजस में डालनेवाली जानकारी है, वह यह है कि भारत समेत सभी देशों के मीडिया द्वारा इस तरह की बात तो कही जा रही है कि साल 2020 के अंत तक या साल 2021 की पहली तिमाही में कोरोना का टीका बनकर तैयार हो जाएगा। लेकिन इस वैक्सीन के आने की सटीक तारीख बताने के लिए फिलहाल कोई देश तैयार नहीं है।

हमेशा हमारे साथ रहेगा कोविड-19!

हेल्थ एक्सपर्ट्स और कोविड-19 पर परीक्षण कर रहे वैज्ञानिकों द्वारा अलग-अलग रिपोर्ट्स में इस बात को स्वीकार किया गया है कि अब कोरोना को हमें स्वीकार कर लेना चाहिए। क्योंकि हो सकता है कोरोना की यह स्ट्रेन, जिससे इस समय पूरी दुनिया प्रभावित है, वह हमेशा-हमेशा हमारे साथ रहे। इसके उपचार के लिए मानव जाति को इसी तरह से टीका और वैक्सीन ईजाद करनी होगी, जिस तरह अन्य बीमारियों से बचाव के लिए टीका लगाया जाता है।

अभी कैसे संभव है बचाव और उपचार?

जब कोरोना की अभी तक कोई दवाई नहीं बनी है तो इससे बचने का तरीका क्या है, साथ ही जो मरीज इस बीमारी से संक्रमित होकर ठीक हो रहे हैं, उनका उपचार किस तरह किया जा रहा है? ये सवाल आपके मन में जरूर उठ रहे होंगे। तो इनका एक मात्र जबाव है, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता। जी हां, इस समय पर संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए कुछ दवाओं सहित उन्हें ऐसी चीजों का सेवन कराया जा रहा है, जो उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक हों। ताकि दवाओं का काम आसान हो सके। इस समय जो दवाएं इस संक्रमण के इलाज में उपयोग की जा रही हैं, वे मुख्य रूप से इम्युनिटी बढ़ाने, फ्लू के लक्षणों में राहत देने और शरीर की एनर्जी बनाए रखने में सहायता कर रही हैं।

कोरोना कब खत्म होगा?

यही तरीका इस रोग से बचाने का भी है कि आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखें। स्वच्छ चीजें खाएं और दैनिक जीवन में भी स्वच्छता का ध्यान रखें। आपको अपने खान-पान में किस तरह की सावधानी बरतनी हैं ताकि आप कोरोना के संक्रमण से बच सकें,

हैंडसैनेटाइजर खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान

कोरोना से बचाव के लिए जिन चीजों को बेहद कारगर माना जा रहा है, उनमें हैंडसैनेटाइजर तीन प्राथमिक चीजों में शामिल है। ये प्राथमिक चीजें हैं, मास्क, सैनिटाइजर और काढ़ा। मास्क और काढ़ा को लेकर हम आपको पहले ही बता चुके हैं। यदि आप विस्तार से इनके बारे में और जानना चाहते हैं तो यहां नीचे दिए गए लिंक्स पर क्लिक करके जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं.बाकि आज बात करते हैं इस विषय पर कि हैंडसैनिटाइजर खरीदते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना है ताकि कोरोना से बचाव तो हो ही साथ ही स्किन से जुड़ी कोई समस्या आपको परेशान ना करे.

अच्छे हैंडसैनिटाइजर में होती हैं ये खूबियां

कोरोना से बचाव के लिए एक अच्छे और प्रभावी हैंडसैनिटाइजर में 70 से 80 प्रतिशत एल्कोहॉल होना चाहिए। साथ ही ऐसे कैमिकल्स इसमें नहीं होने चाहिए जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचाएं। वायरस का खतरा खत्म करने के साथ ही त्वचा को मुलायम और स्वस्थ रखने की खूबी भी हैंडसैनिटाइजर में जरूर होनी चाहिए। ताकि रुखापन आपकी हथेलियों और क्यूटिकल्स को नुकसान ना पहुंचाए। यहां जानिए कि फूड ऐंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन किस तरह के हैंडसैनिटाइजर को बेहतर मानता है। साथ ही यह भी किस तरह का हैंडसैनिटाइजर खरीदने से आपको बचना चाहिए.

कैसे चुनें सही हैंडसैनिटाइजर?

एफडीए के अनुसार, हमें ऐसा हैंडसैनिटाइजर खरीदने से बचना चाहिए, जिसमें मेथनॉल हो। मेथनॉल एक ऐसा रासायनिक तत्व है जो टॉक्सिक होता है। यानी यह हमारे शरीर को हानि पहुंचानेवाले विषैले तत्वों से युक्त होता है।

-एफडीए के अनुसार, मेथनॉल बेस्ड हैंडसैनिटाइजर का उपयोग करने के बाद बीमार हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। इन लोगों को हाथ की त्वचा द्वारा मेथनॉल अवशोषित कर लेने के कारण सेहत संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

हैंडसैनिटाइजर से होनेवाले नुकसान

मेथनॉल बेस्ड सैनिटाइजर से होने वाली दिक्कतें

-यदि सेनिटाइजर में मेथनॉल की मात्रा बहुत अधिक होती है तो इसे उपयोग करनेवाले लोगों को

- नोजिया
- मितली आना
- लगातार सिर में दर्द रहना
- आंखों में धुंधलापन आना
- लगातार छींके आना जैसी दिक्कतें हो रही हैं।

इन लक्षणों के चलते कुछ लोगों में बहुत अधिक कमजोरी महसूस होना और भूख ना लगना या बहुत कम लगना जैसी समस्याएं हो रही हैं। अगर आप इस तरह की दिक्कतों का सामना कर रहे हैं तो आपको अपने सैनिटाइजर पर एक नजर डालकर उसमें उपयोग किए गए इंग्रीडिऐंट्स को चेक करना चाहिए। ताकि आप पता कर सकें कि आपकी समस्या की जड़ आपके सैनिटाइजर में तो नहीं छिपी है।

सार समाचार

संयुक्त राष्ट्र में मजबूत स्थिति के साथ चीन की मुखर राजनीति ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। दुनिया समानता की व्यवस्था को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रही है, चाहे वह छोटे राष्ट्रों के अस्तित्व और भूमिकाओं को स्वीकार करके हो या वैश्विक मंचों को बराबर करके हो, ताकि सभी का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एक ऐसा निकाय है, जो यह सुनिश्चित करता है कि समानता की इस प्रणाली को बरकरार रखा जाए और जो राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय आचार संहिता का पालन नहीं कर रहे हैं, इसकी ओर से उन्हें अंतिम उपाय के रूप में आलोचना या प्रतिबंधों के माध्यम से फटकार लगाई जाती है। लेकिन इन अंतरराष्ट्रीय निकायों के भीतर भी कुछ मजबूत दिग्गज होते हैं, जो निर्णय लेने वालों और परिवर्तन लाने वालों की भूमिका निभाते हैं। ये बड़े राष्ट्र न केवल महान शक्ति के साथ सामने आते हैं, बल्कि पर्यावरण के प्रति और वैश्विक समुदाय के प्रति भी बड़ी जिम्मेदारी लेते हैं। हालांकि, कई बार जिम्मेदारियों और कर्तव्यों की सत्यता पर सवाल खड़े हो जाते हैं, जब बड़े राष्ट्र इसे अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था द्वारा निर्धारित जनादेश का लगातार उल्लंघन करने के लिए एक बिंदु बनाते हैं। वहीं से चीन प्रवेश करता है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अधिक मुखर विदेश नीति के कारण संयुक्त राष्ट्र के अंदर चीन का बढ़ता प्रभाव अपरिहार्य है और विश्व निकाय में चीन का मूल्यांकन योगदान वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। परंपरागत रूप से संयुक्त राष्ट्र के विकास अभ्यासों के आसपास केंद्रित, चीन वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के मूल में अपनी ताकत, अपने शांति और सुरक्षा कार्यों का उपयोग करता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीनी-रूसी रणनीतिक व्यवस्था जुलाई 2020 में प्रदर्शित मानवाधिकारों और मानवीय पहुंच की रक्षा को चुनौती देती है, जब चीन और रूस ने सीरिया के संबंध में दो प्रस्तावों को वीटो कर दिया और दोनों ने सूडान के लिए विशेष दूत के रूप में एक फ्रांसीसी नागरिक की नियुक्ति में बाधा उत्पन्न की।

नेपाल के प्रधानमंत्री भाजपा के निमंत्रण पर भारत भेज रहे उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल

काठमांडू। भारतीय नेतृत्व तक पहुंचने के लिए नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निमंत्रण पर एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत भेज रहे हैं। पार्टी ने कहा है कि नेपाली कांग्रेस के संयुक्त सचिव, पूर्व विदेश मंत्री और पार्टी के अंतर्राष्ट्रीय विभाग के प्रमुख प्रकाश शरण महत भारत में तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं और गुरुवार को नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। महत ने कहा कि वह भाजपा विदेश विभाग के प्रभारी विजय चौथवाले के निमंत्रण पर भारत आ रहे हैं। चौथवाले सितंबर की शुरुआत में काठमांडू गए थे। महत ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य पार्टी से पार्टी के संबंधों को मजबूत करना है और दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व के बीच बातचीत को गहरा करना है। महत ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में चार दिन बिताएगा और इस पर विचार-विमर्श करेगा कि संबंधों को कैसे सुधारा जाए और भविष्य में भी कैसे आगे बढ़ा जाए। नेपाली कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि देउबा अपने करीबी विश्वासपात्रों में से एक महत को नई दिल्ली भेज रहे हैं, ताकि संबंधों को ठीक किया जा सके और उनकी सरकार के प्रति भारत की सद्भावना हासिल की जा सके। नेपाल और भारत के बीच कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो ज्यादातर पिछले के.पी. ओली सरकार जो देउबा संबंधों को सुधारकर आगे बढ़ना चाहती है। महत के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल भारत में चार दिन रहेगा।

फिलीपींस में 9,868 नए कोविड मामले आए सामने

मनीला। फिलीपींस के स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) ने बुधवार को 9,868 नए कोविड -19 संक्रमण की सूचना दी, जिससे दक्षिण पूर्व एशियाई देश में पुष्ट मामलों की संख्या 2,622,917 हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, डीओएच ने कोविड -19 डेटा के लिए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को प्रभावित करने वाले तकनीकी मुद्दों का हवाला देते हुए दूसरे दिन शून्य मौतों की सूचना दी। अब तक मरने वालों की संख्या 38,828 है। डीओएच ने कहा, आज अपेक्षाकृत कम केस काउंट सोमवार को कम प्रयोगशाला उत्पादन के कारण है। डीओएच ने 26,303 मामलों के साथ 11 सितंबर को अब तक की सबसे अधिक दैनिक संख्या दर्ज की गई है। लगभग 110 मिलियन आबादी वाले फिलीपींस ने जनवरी 2020 में प्रकोप के बाद से 20 मिलियन से अधिक लोगों का परीक्षण किया है।

हथियार डालने के लिए टीटीपी से बातचीत कर रहा पाकिस्तान, प्रक्रिया में अफगान तालिबान कर रहा मदद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने हाल ही में एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि उनका नेतृत्व पाकिस्तानी तालिबान के संपर्क में है और उन्हें हथियार डालने के लिए राजी करने की दिशा में काम कर रहा है। खान ने खुलासा करते हुए कहा, वास्तव में, मुझे लगता है कि कुछ टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) समूह शांति के लिए, कुछ सुलह के लिए हमारी सरकार से बात करना चाहते हैं और हम कुछ समूहों के साथ बातचीत कर रहे हैं। खान ने कहा, अफगान तालिबान भी इस प्रक्रिया में हमारी सरकार की मदद कर रहे हैं। खान ने यह भी खुलासा किया कि उनकी सरकार और टीटीपी के बीच अफगानिस्तान में बातचीत हो रही है। प्रधानमंत्री की टिप्पणी से पाकिस्तान में स्थानीय लोगों में गुस्सा फूट पड़ा, जो उन्हें स्कूलों, बाजारों, मस्जिदों और अन्य स्थानों पर हुए घातक हमलों की याद दिला रहे हैं, जिसमें उसी टीटीपी के हाथों हजारों निर्दोष लोग मारे गए हैं, जिनसे वह बात कर रहे हैं और उन्हें देश के सामान्य नागरिक बनने की पेशकश कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मर्दन के स्थानीय निवासी नुमाइश खान ने कहा, पेशावर के आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) में हमारे बच्चों की हत्या करने वाले आतंकवादी, मस्जिदों में नमाज अदा करने वाले निर्दोष मुसलमानों की हत्या करने वाले, हमारे हजारों सैनिकों को मारने वाले, जिन्होंने मारने के लिए बाजारों और धार्मिक स्थलों पर आत्मघाती हमलावर भेजे हैं.. इमरान खान कहते हैं कि वह उनसे बात कर रहे हैं? वह ऐसे अमानवीय लोगों से बात करने के बारे में सोच भी कैसे सकते हैं? वह उन्हें सामान्य नागरिक होने की पेशकश कैसे कर सकते हैं और वह उन्हें उनके अपराधों पर छूट कैसे दे सकते हैं?

एलएसी को लेकर क्या है ड्रैगन की रणनीति ? पाक सेना के अधिकारियों को भी किया तैनात

कोलंबो।(एजेंसी)।

लद्दाख। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर भारत और चीन के बीच तनातनी का माहौल है। 12 दौर की सैन्य वार्ता होने के बावजूद चीन की गतिविधियां जारी हैं। अगले सप्ताह गतिरोध को समाप्त करने के लिए 13वें दौर की वार्ता हो सकती है। वहीं चीन एलएसी पर निगरानी तंत्र को भी लगातार मजबूत करने में जुटा हुआ है और उसने पाकिस्तान को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बनाया है।

आपको बता दें कि चीन ने अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने के लिए पाकिस्?तानी सेना के अधिकारियों को भारत से लगती सीमा के थिएटर कमांड के मुख्?यालय में तैनात किया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच हुए करार के बाद चीनी सेना ने यह निर्णय लिया था। ऐसे में कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्या चाहता है चीन ?

एक तरफ भारत के साथ शांति वार्ता की बात कहने वाली चीन कभी एलएसी के पास 8 अस्थायी टेंट का निर्माण करती है तो कभी सैनिकों की तैनाती के साथ-साथ ड्रोन की निगरानी बढ़ा देती है। हाल ही में खबर सामने आई थी कि चीन की पीएलए ने उत्तर में काराकोरम दर्रे के पास वहाब ज़ल्गा से लेकर पियू, हॉट स्प्रिंग्स, चांग ला, ताशीगोंग, मांज़ा और चुरुप तक अपने सैनिकों के लिए अस्थायी टेंट लगाए हैं।

क्या युद्ध की तैयारी कर रहा है चीन ?

पिछले साल गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद से पूर्वी लद्दाख में गतिरोध बना हुआ है। कई दौर की वार्ता हो चुकी है फिर भी विवाद पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और न ही पहले की स्थिति बहाल हुई है। इसके अतिरिक्त समय-समय पर चीन उकसावे वाली नीतियां भी अपनाता रहता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन लगातार यह दिखाने की कोशिश करता रहता है कि वो एलएसी मुद्दे को छोड़ने वाला नहीं है। वहीं चीन बार-बार यह कहता रहता है कि एलएसी मुद्दे के समाधान के लिए अगर उसे जंग भी करनी पड़ी तो वो पीछे हटने वाला नहीं है। वहीं भारत भी हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

हाल ही में लद्दाख दौरे पर गए सेना प्रमुख एम एम नरवणे ने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कहा था कि हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि उन्होंने जल्द ही बातचीत के जरिए मुद्दे को सुलझाने की बात कही थी।

हर साल 4 लाख लोग मलेरिया से गंवाते हैं जान, डबल्यूएचओ ने दुनिया की पहली वैक्सीन को दी मंजूरी, जानें ये क्यों है खास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मलेरिया कितना जानलेवा है ये हर कोई जानता है। लेकिन क्या आपको पता है कि मेलरिया की अब दुनिया की पहली वैक्सीन आ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बच्चों के लिए पहली मलेरिया वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। साल 2019 से वैक्सीन पर ट्रायल चल रहा था। जिसको देखते हुए अब संगठन ने हर पैमाने पर इसे कामयाब बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन 2025 तक दुनिया से मलेरिया को खत्म करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। वैक्सीन का इंतजार लंबे समय से हो रहा था।

डबल्यूएचओ महानिदेशक ने बताया बड़ी उपलब्धि

जानलेवा मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक जरूरी ऐलान करते हुए बताया कि मलेरिया से बचाव के लिए बनाए गए वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई है। डबल्यूएचओ महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम ने कहा कि मलेरिया से लड़ाई के लिए बनाई गई वैक्सीन विज्ञान, बच्चों के स्वास्थ्य और मलेरिया

रोकथाम के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। मलेरिया से रोकथाम के लिए मौजूद दूसरे उपायों के साथ इसका इस्तेमाल बेहद प्रभावी होगा।

ये वैक्सीन क्यों है खास

मलेरिया के लिए वैक्सीन आमतौर पर प्रोटीन को टार्गेट करके ही बनाई जाती हैं और इसलिए अभी तक इसमें सफलता नहीं मिल सकी थी। लेकिन Mosquiri× यहीं पर कारगर साबित होती है। यह पैरासाइट की स्पोरोजॉइट स्टेज पर ही हमला करता है। वैक्सीन में वही प्रोटीन लगाया गया है जो पैरासाइट में उस स्टेज पर लगा होता है। इम्यून सिस्टम इस प्रोटीन को पहचानता है और शरीर में प्रतिरोधक क्षमता पैदा करता है। Mosquiri× को 1980 के दशक में बेल्जियम में SmithKline-RIT की टीम ने बनाया था जो अब Gla&oSmithKline (GSK) का हिस्सा है।

हर साल चार लाख लोगों की मौत

ये फैसला केनिया, घाना और मलावी में चल रहे पायलट प्रोजेक्ट के नतीजों पर आधारित है। जिसे साल 2019 में शुरू किया गया था। हालांकि मलेरिया की दवा पहले से मौजूद है लेकिन ये पहली बार है जब वैक्सीन सामने आई है। यानि की मलेरिया की चपेट में आने के बावजूद वैक्सीन लगवाने से खतरा बेहद कम होगा। मच्छर से होने वाली इस बीमारी से हर साल दुनियाभर में चार लाख लोगों की मौत होती है। दुनिया में हर दो मिनट में मलेरिया से एक बच्चे की मौत होती है। यही वजह है कि काफी समय से मलेरिया के वैक्सीन की जरूरत महसूस हो रही थी।

तालिबानियों ने की नशेड़ियों की धुलाई, जमकर पीटने के बाद किया अस्पताल में भर्ती

काबुल।(एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर शासन कर रहे तालिबान ने नशे की लत को खत्म करने के लिए कार्रवाई करनी शुरू कर दी है भले ही इसके लिए बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े। तालिबान के लड़ाकों से पुलिस कर्मचारी बने कर्मियों ने राजधानी काबुल के एक इलाकों से मादक पदार्थ हेरोइन और मेथामफेटामाइन्स के नशे के आदि सैकड़ों बेघर व्यक्तियों को हिरासत में लिया और उन्हें पीटा। उन्हें जबरन उपचार केंद्र ले जाया गया। पिछले हफ्ते इस तरह की एक छापेमारी तक एसोसिएटिड प्रेस की पहुंच हुई। डॉक्टरों के मुताबिक, व्यक्ति मानसिक रूप से बीमार थे, उन्हें दीवार के सहारे बैठाया गया और उनके हाथ बांध दिए गए। उनसे नशा छोड़ने को कहा गया कि ऐसा नहीं करने पर उनकी पिटाई की जाएगी। कुछ स्वास्थ्य कर्मियों ने इन सख्त तरीकों का स्वागत किया है। एक उपचार केंद्र में काम कर रहे डॉ फजलरब्बी मयार ने कहा, 'हम अब लोकतंत्र में नहीं हैं। यह तानाशाही है। इस तरह के लोगों का इलाज करने का सिर्फ एक तरीका है और वह है बल का इस्तेमाल करना।' उन्होंने कहा कि कई अफगान हेरोइन और मेथामफेटामाइन्स के आदी हैं। डॉक्टरों ने बताया कि 15 अगस्त

को सत्ता पर कब्जा करने के बाद तालिबान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन केंद्रों को एक आदेश जारी करके कहा था कि उनकी मंशा नशे की लत की समस्या को सख्ती से नियंत्रित करने की है। मादक पदार्थ का इस्तेमाल इस्लामी सिद्धांत की उनकी व्याख्या के खिलाफ है। देश में अफीम का अवैध व्यापार अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था और उसकी उथल-पुथल से जुड़ा हुआ है। अफीम की खेती करने वाले तालिबान के लिए महत्वपूर्ण ग्रामीण क्षेत्र का हिस्सा हैं और अधिकांश अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इस फसल पर निर्भर रहते हैं। बहरहाल, तालिबान ने 2000-2001 में अमेरिकी हमले से पहले व्यापक तौर पर अफीम की खेती पर रोक लगाने में कामयाबी हासिल की थी। बाद की सरकारें ऐसा करने में नाकाम रहीं। काबुल के गुजरगाह इलाके में एक पुल के नीचे मांद पर लड़ाकों ने छापा मारा और लोगों को वहां से बाहर आने को कहा। कुछ खुद बाहर आ गए जबकि कुछ को जबरन बाहर निकलना पड़ा।

अमेरिका के पूर्व एनएसए ने कहा, पाकिस्तान को अब और मदद नहीं दी जानी चाहिए

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के एक पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) ने कहा है कि पाकिस्तान लंबे समय से ÷दोनों हाथ में लड्डू ले रखा है'' और सांसदों को सलाह दी है कि अब इस्लामाबाद को किसी तरह की नयी मदद नहीं दी जानी चाहिए। ट्रंप प्रशासन के दौरान एनएसए रहे जनरल (सेवानिवृत्त) एच आर मैकमास्टर ने अफगानिस्तान पर कांग्रेस की शक्तिशाली समिति के समक्ष गवाही देते हुए कहा कि अमेरिका को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अगस्त में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद की गई उनकी कुछ टिप्पणियों के लिए जिम्मेदार ठहराना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह सोचना भी भ्रम है कि तालिबान या तालिबान के माध्यम से मानवीय उद्देश्यों के लिए जाने वाले किसी भी धन का उपयोग तालिबान द्वारा अपनी शक्ति को मजबूत करने तथा पहले से भी बड़ा खतरा बनने के लिए तुरंत किया जाएगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ÷इसलिए, हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हम वास्तव में एक असाधारण दुविधा का सामना कर रहे हैं कि तालिबान को सशक्त किए बिना मानवीय संकट को कम करना हमारे लिए बहुत कठिन होने वाला है।÷ मैकमास्टर ने कहा, ÷मुझे नहीं लगता कि हमें पाकिस्तान को बिल्कुल भी सहायता देनी चाहिए। मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने हर तरह से बहुत लंबे समय तक लाभ लिया है।

मुझे लगता है कि पाकिस्तान का सामना इन वर्षों में उसके व्यवहार से कराया जाना चाहिए जो वास्तव में बड़े पैमाने पर इस तरह के कदम को सही साबित करते हैं।'' ट्रंप प्रशासन के दौरान ही अमेरिका ने पाकिस्तान को दी जाने वाली सभी सुरक्षा सहायता पर रोक लगा दी थी। बाइडन प्रशासन ने अभी तक सुरक्षा सहयोग को फिर से शुरू नहीं किया है। पूर्व एनएसए ने कहा, ÷मुझे लगता है कि काबुल पर तालिबान के कब्जे पर आई उनकी टिप्पणियों के लिए हमें इमरान खान को जिम्मेदार ठहराना चाहिए और उन्होंने कहा कि अफगान लोगों को बंधनमुक्त कर दिया गया है। हम किसी भी हालत में पाकिस्तान को एक पैसा क्यों भेजें? मुझे लगता है कि हक्कानी नेटवर्क, तालिबान और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों सहित अन्य जिहादी आतंकवादियों के लिए उनके समर्थन के कारण उन्हें अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना चाहिए जो मानवता के लिए खतरा हैं।

ताइवान ने दी चीन को खुली धमकी, कहा- हमला किया तो विनाशकारी होंगे परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ताइवान और चीन में एक बार फिर से तनावपूर्ण माहौल बनता जा रहा है। एक खबर के मुताबिक, ताइवान ने इस बार चीन को सख्त चेतानवी दी है। ताइवान ने कहा है कि, अगर चीन ने हमला करने की कोशिश की तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। ताइवन ने चेतावनी देते हुए आगे कहा कि, अगर चीन अपने लड़ाकू विमानों की घुसपैठ से आइलैंड पर कब्जा करने पर कामयाब हुआ तो इससे क्षेत्रीय शांति के लिए विनाशकारी परिणाम हा सकता है।

इसी बीच ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने भी एक बयान जारी करते हुए कहा कि, इस देश को बचाने के लिए जो भी करना पड़ जाए, करेंगे और कोई भी बड़ी कारवाई करने से पहले रूकेंगे नहीं। आपको बता दें कि चीन कई समय से ताइवान पर दबान बनाने की कोशिश कर रहा है और शुक्रवार को अब तक 150 चीनी लड़ाकू

विमानों ने ताइवान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। सोमवार को चीन के 56 जेट विमानों ने ताइवान के हवाई क्षेत्र में उड़ान भरी जो यह साफ साबित करता है कि ड्रेगन ताइवान को अपनी शक्ति और आक्रामकता का प्रदर्शन पेश कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, चीन इस समय ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन पर दबाव बना रहा है।

ताइवान ही नहीं ऑस्ट्रेलिया को भी चीन पहुंचा रहा नुकसान

उल्लेखनीय है कि, चीन ने ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी दी थी जिसमें यह पूछना शामिल किया गया कि, क्या ऑस्ट्रेलिया युद्ध में ताइवान का साथ देने के लिए तैयार है? वहीं हाल ही में अमेरिका और ब्रिटेन ने एक साथ नए सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया है जिसके बाद से ऑस्ट्रेलिया पर चीन का गुस्सा बढ़ रहा है। चीन की नाराजगी इसलिए बढ़ी है क्योंकि, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया न्यूक्लियर सबमरीन टेक्नोलॉजी शेयर करने पर सहमति दिखाई है। जिसके कारण चीन का गुस्सा बढ़ गया है, इस समझौते से दक्षिण चीन सागर में शक्ति का संतुलन बदल जाएगा।

ताइवान ने चीन को दी बड़ी चेतावनी

ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने कहा कि, उन्हें याद रखना चाहिए कि अगर ताइवान पर कब्जा होता है तो परिणाम क्षेत्रीय शांति और लोकतांत्रिक गठबंधन सिस्टम के लिए विनाशकारी होंगे।

भारत पर 17 बार आक्रमण करने वाले गजनवी की कब्र पर पहुंचा पाकिस्तान का पिट्ठू हक्कानी, सोमनाथ को लेकर कही ये बात

शिमला।(एजेंसी)।

किसी से बदला नहीं लेंगे, सभी की हिफाजत करेंगे। महिलाओं को पूरे अधिकार देंगे। काबुल पर कब्जे के बाद दुनिया के सामने आकर तालिबान ने यही बातें कही थी। लेकिन वास्तविक सच्चाई यही है कि तालिबान जैसी जमात पर किसी भी सूरत में भरोसा नहीं किया जा सकता है। तालिबानी हुकूमत के महीने भर के शासन में ही उनका असली चेहरा सामने आ गया। काबुल की तालिबानी हुकूमत में आतंरिक मंत्री के ओहदे पर बैठा आतंकी संगठन हक्कानी नेटवर्क का सरगना और पाकिस्तानी पिट्ठू अनस हक्कानी आंक्राता और लुटेरा महमूद गजनवी की कब्र पर पहुंचा और भारत पर 17 बार आक्रमण करने वाले गजनवी को मुजाहिद बताया और सोमनाथ का जिक्र भी किया।

लुटेरे गजनवी को बताया योद्धा

अनस हक्कानी ने इस दौरे की फोटो अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट की हैं। उसने लिखा है- 'आज हमने 10वीं शताब्दी के प्रसिद्ध मुस्लिम योद्धा और मुजाहिद सुल्तान महमूद गजनवी की दरगाह का दौरा किया। गजनवी ने एक मजबूत मुस्लिम शासन स्थापित किया और सोमनाथ मंदिर को तोड़ दिया।

गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को तोड़ा

सोमनाथ मंदिर को बार-बार विदेशी हमलावरों द्वारा लूटा गया। खासतौर पर मुस्लिम सुल्तानों और बादशाहों ने सोमनाथ मंदिर को तोड़ने और नष्ट करने के लिए गुजरात पर बार-बार हमले किए। करीब 50,000 योद्धाओं के बलिदान के पश्चात ही महमूद गजनवी सोमनाथ के मंदिर को तोड़ने में सफल हुआ था। गजनवी ने मंदिर की संपत्ति लूटी और उसे नष्ट कर दिया। तब मंदिर की रक्षा के लिए निहत?थे हजारों लोग मारे गए थे। ये वे लोग थे, जो पूजा कर रहे थे या मंदिर के अंदर दर्शन लाभ ले रहे थे और जो गांव के लोग मंदिर की रक्षा के लिए निहत्थे ही दौड़ पड़े थे।

अमेरिका और चीन के बीच होगा ऑनलाइन शिखर सम्मेलन, इन मामलों पर की जाएगी चर्चा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग इस साल के अंत से पहले ऑनलाइन शिखर बैठक करेंगे। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय में होने जा रही है जब व्यापार, मानवाधिकार, दक्षिणी चीन सागर और ताइवान को लेकर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य और विदेश मामलों संबंधी आयोग के कार्यालय के निदेशक यांग जिएची के बीच बुधवार को ज्यूरिख में करीब छह घंटे तक चली बैठक के बाद व्हाइट हाउस ने यह घोषणा की।

व्हाइट हाउस ने दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की बैठक की घोषणा ऐसे समय में की है जब अमेरिकी राष्ट्रीपति जो बाइडन नीत प्रशासन ने बीजिंग से ताइवान पर सैन्य दबाव डालने की कोशिशों को खत्म करने और व्यापार से जुड़ी प्रतिबद्धताओं का पालन करने की मांग की। पिछले कई दिनों से चीन ने ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में करीब 150 युद्धक विमान भेजे हैं, जिसके बाद बाइडन प्रशासन ने बीजिंग को चेतावनी दी। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि करीब छह घंटे तक चली बैठक में सुलिवन ने उन क्षेत्रों पर चर्चा की, जहां अमेरिका और चीन अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए साथ काम कर सकते हैं और संबंधों में 'जोखिम' से निपटने के रास्ते तलाश सकते हैं। वहीं सुलिवन ने कई ऐसे क्षेत्रों के मुद्दे भी उठाए जहां अमेरिका, चीन के कदमों से चिंतित है। इनमें मानवाधिकार, शिनजियांग, हांगकांग, दक्षिणी चीन सागर और ताइवान से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। ऑनलाइन शिखर वार्ता का निर्णय इसके मद्देनजर लिया गया कि दोनों देशों के नेताओं को एक साथ बैठक के लिए इस साल समय नहीं मिल पाएगा।

एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार सुलिवन और यांग के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई और यह बातचीत अच्छी और स्पष्ट रही तथा यह बैठक करीब छह घंटे तक चली। अधिकारी ने बताया कि सुलिवन ताइवान को लेकर 'बेहद स्पष्ट' थे और उन्होंने ताइवान में बीजिंग के हालिया उकसावे वाली गतिविधियों पर अमेरिका की चिंताओं को जाहिर किया। सुलिवन ने यह स्पष्ट किया कि अमेरिका ताइवान की आत्मरक्षा का समर्थन करता रहेगा और यथास्थिति को बदलने की

किसी भी कोशिश का विरोध करेगा। वहीं, चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर में इस बातचीत को व्यापक और स्पष्ट बताया गया। इसमें कहा गया कि चीन-अमेरिका के संबंध, आपसी चिंताओं के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। खबर के अनुसार यांग ने कहा कि चीन और अमेरिका जब एक-दूसरे का सहयोग करेंगे तो इससे दोनों देशों और दुनिया का फायदा होगा और वहीं, टकराव की स्थिति में दोनों देशों के साथ दुनिया को भी गंभीर नुकसान पहुंचेगा। हालांकि शिन्हुआ की खबर में शी और बाइडन के बीच ऑनलाइन बैठक की योजना की खबर नहीं है।

सार समाचार

छात्रा के साथ बलात्कार के मामले में शिक्षक को 20 साल की कैद की सजा

कोटा (राजस्थान)। सरकारी स्कूल के 56 वर्षीय शिक्षक को यहां की एक पॉक्सो अदालत ने 2019 में अपने स्कूल की 10वीं कक्षा की छात्रा के साथ बलात्कार के मामले में 20 साल कैद की सजा सुनाई है। सरकारी वकील सुरेश कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि पॉक्सो अदालत के न्यायधीश हुनमान प्रसाद ने बुधवार को दोषी फरियाद अली पर 47 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। स्कूल की ओर से छात्रों को 17 जनवरी 2019 को रामगढ़ ले जाया गया था और जहां पहली बार शिक्षक ने छात्रा के साथ बदसलूकी की थी। इसके बाद उसने छात्रा को घर छोड़ने का प्रस्ताव दिया और रास्ते में उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद भी वह कई बार स्कूल में नाबालिग के साथ बदलूकी करता रहा और उसका बलात्कार भी किया। नाबालिग ने 13 मार्च 2019 को इटावा थाने में शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद अली के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। वह तभी से जेल में है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान कम से कम 11 गवाहों के बयान दर्ज किए गए थे।

केरल विधानसभा अध्यक्ष ने मास्क ठीक से नहीं पहनने पर विधायकों की खिंचाई की

तिरुवनतंपुरम। केरल विधानसभा के अध्यक्ष एम बी राजेश ने विधायकों से सदन के भीतर फेस मास्क ठीक ढंग से पहनने का बृहस्पतिवार को आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह निजी स्वतंत्रता का मुद्दा नहीं है बल्कि कोविड वैश्विक महामारी के मद्देनजर सभी की सुरक्षा से जुड़ा है। यह कहते हुए कि वह बार-बार सदस्यों को ठीक से मास्क पहनने की जरूरत के बारे में याद दिलाने के लिए मजबूर हैं, अध्यक्ष ने कहा कि आजकल कई प्रमुख सदस्यों के लिए इस संबंध में निर्देश का उल्लंघन करना एक प्रथा बन गई है। उन्होंने सदन की कार्यवाही के बीच में कहा, ''लोग यह सब देख रहे हैं....मास्क पहनना व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मामला नहीं है बल्कि ऐसा मुद्दा है जो सभी लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। मीडिया भी हर दिन इस ओर इशारा करती है।' अध्यक्ष ने यह भी याद दिलाया कि विधायकों के इस तरह के कार्यों को लोगों के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के रूप में देखा जाएगा। पिछले सत्र के दौरान भी विस अध्यक्ष ने सदस्यों को कोरोना वायरस संक्रमण से खुद को बचाने के लिए मास्क पहनने की आवश्यकता की याद दिलाई थी।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को लगा एक और झटका, टीएमसी में लौटे सब्यसाची दत्ता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा को एक और झटका लगा है। आपको बता दें कि भाजपा नेता सब्यसाची दत्ता फिर से तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद सब्यसाची दत्ता ने गुरुवार को टीएमसी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी महासचिव पार्थ चटर्जी और फिरहाद हकीम मौजूद रहे।

2019 में छोड़ी थी टीएमसी

सब्यसाची दत्ता ने साल 2019 में टीएमसी का साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। विधाननगर के पूर्व मेयर रह चुके सब्यसाची दत्ता ने टीएमसी की सदस्यता लेने के बाद ममता बनर्जी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि आज मैं जो कुछ भी हूं या मुझे जो कुछ भी मिला है वो सब ममता बनर्जी के आशीर्वाद से है।

श्रीनगर के सरकारी स्कूल में आतंकी हमले की एपीएससीसी ने की निंदा

श्रीनगर। सर्वदलीय सिख समन्वय समिति (एपीएससीसी) ने आतंकवादियों द्वारा दो शिक्षकों की हत्या की बृहस्पतिवार को निंदा की और सिख समुदाय के सरकारी कर्मचारियों से अपील की कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने तक काम का बहिष्कार करें। एपीएससीसी के अध्यक्ष जगमोहन सिंह रैना ने एक बयान में कहा, ''एपीएससीसी दो सरकारी शिक्षकों सुपिंदर कौर और दीपक चांद की श्रीनगर के ईदगाह में बृहस्पतिवार को हत्या की कड़ी निंदा करती है।'' उन्होंने कहा कि हत्याएं कश्मीर घाटी में बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यकों के बीच दरार पैदा करने के षड्यंत्र का हिस्सा हैं। रैना ने लोगों से ऐसे तत्वों से सतर्क रहने की अपील की जो अपने राजनीतिक फायदे के लिए स्थिति का फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''विभिन्न सरकारी विभागों में काम करने वाले सिख युवकों को तब तक काम का बहिष्कार कर अपने घरों में बैठना चाहिए जब तक कि सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करती है।'' रैना ने बहुसंख्यक मुस्लिम समुदाय से हस्तक्षेप करने और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों का जीवन सुरक्षित करने की भी अपील की।

कश्मीर में हमलों को लेकर राहुल ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा- नोटबंदी से आतंकवाद नहीं रुका और...

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जम्मू-कश्मीर के लोगों को सुरक्षा देने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आतंकवाद न तो नोटबंदी करने से रुका और न ही अनुच्छेद 370 हटाने से रुका। उन्होंने टवीट किया, ''कश्मीर में हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। आतंकवाद ना तो नोटबंदी से रुका ना धारा 370 हटाने से- केंद्र सरकार सुरक्षा देने में पूरी तरह असफ़ल रही है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''हमारे कश्मीरी भाई-बहनों पर हो रहे इन हमलों की हम कड़ी निंदा करते हैं व मृतकों के परिवारों को शोक संवेदनाएं भेजते हैं।'' राहुल गांधी ने यह टिप्पणी कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा दो शिक्षकों की हत्या किए जाने की पृष्ठभूमि में की है। पुलिस के अनुसार, श्रीनगर के ईदगाह इलाके में बृहस्पतिवार को आतंकवादियों ने एक महिला समेत सरकारी विद्यालय के दो शिक्षकों की गोली मार कर हत्या कर दी।

नवजोत सिंह सिद्धू का अल्टीमेटम, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री को गिरफ्तार नहीं किया तो मैं भूख हड़ताल करूंगा

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की लखीमपुर खीरी मामले को लेकर पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने गुरुवार को कहा कि अगर शुक्रवार तक केंद्रीय गृह राज्यमंत्री को गिरफ्तार नहीं किया और उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया तो मैं भूख हड़ताल पर बैठूंगा। आपको बता दें कि पंजाब कांग्रेस का दल नवजोत सिंह सिद्धू के नेतृत्व में लखीमपुर खीरी में मृतक किसान के परिजनों से मिलने जा रहा हैं।

बीते दिनों कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, संगठन मंत्री केसी वेणुगोपाल समेत तमाम पदाधिकारी लखीमपुर पहुंचे थे। इससे पहले भूपेश बघले समेत तमाम नेताओं को लखीमपुर जाने नहीं दिया जा रहा था। जिसके चलते तमाम नेताओं लखनऊ एयरपोर्ट के भीतर ही धरने पर बैठ गए थे।

गौरतलब है कि गांधी जयंती के एक दिन बाद लखीमपुर में किसान आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में 8 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद मामले से जुड़े हुए कई वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर सामने आए थे। जिसके बाद सियासत गर्मा गयी।

कोर्ट ने कहा, कोविड-19 के प्रसार से निपटने के उपायों की निगरानी जारी रखने की अब नहीं कोई वजह

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 के प्रसार से निपटने के उपायों की निगरानी जारी रखने की अब कोई वजह नहीं है क्योंकि केन्द्र और दिल्ली सरकार इस मोर्चे पर पहले ही बहुत सावधानी बरत रही है। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की एक पीठ ने वकील त्रिवेणी पोतकर की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सरकार ने पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की हैं और वर्तमान में जनता को मुफ्त टीके भी उपलब्ध करा रही हैं। केन्द्र सरकार के वकील अनिल सोनी ने कहा कि याचिका मार्च 2020 दायर की गई थी और अब उसके कोई मायने नहीं है क्योंकि प्राधिकारियों ने संक्रमण से निपटने के लिए आवश्यक उपाय कर लिए हैं। पीठ ने याचिका पर सुनवाई बंद करते हुये याचिकाकर्ता को किसी भी परेशानी के लिए फिर से उचित मंच पर जाने की छूट दी। अदालत ने कहा, '' हमें मामले में सुनवाई की अब कोई वजह नजर नहीं आती। किसी भी परेशानी में याचिकाकर्ता को उचित मुकदमा दायर करने का अधिकार है।'' अदालत ने कोविड-19 से निपटने के लिए उचित एवं पर्याप्त कदम उठाने का निर्देश देते हुए याचिका पर पिछले सात 11 मार्च को केन्द्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किये थे।

बीजेपी से लड़ने में नाकाम रही कांग्रेस और अब हमारी जिम्मेदारी; ममता ने लेख लिख बताया टीएमसी का दिल्ली वाला 'फ्यूचर प्लान'

कोलकाता (एजेंसी)।

भवानीपुर उपचुनाव को जीतकर अपनी कुर्सी को सुरक्षित करने वालीं ममता बनर्जी और उनकी पार्टी अब खुलकर कांग्रेस पर हमला बोल रही है। ममता बनर्जी ने एक ऐसा लेख लिखा है, जिससे यह लग रहा है कि टीएमसी अब भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता की मुख्य सूत्रधार बनना चाहती है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने में बुरी तरह विफल रही है, इसलिए भारत के लोगों ने तृणमूल कांग्रेस को %फासीवादी% भगवा पार्टी को हटाकर एक नया भारत बनाने की जिम्मेदारी दे दी है। पार्टी के मुखपत्र ÷जागो बांग्ला÷ के दुर्गा पूजा संस्करण के एक लेख में ममता बनर्जी ने कहा कि इस साल की शुरुआत में राज्य में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ शानदार जीत के बाद टीएमसी ने देश भर के लोगों का विश्वास अर्जित किया है।

लेख में ममता बनर्जी ने लिखा कि भाजपा विधानसभा चुनावों में अपनी हार को पचा पाने में विफल रही है और प्रतिशोध की राजनीति कर रही है। अभी टीएमसी के सामने एक नई चुनौती है- दिल्ली की पुकार। इस देश के लोग जनविरोधी नीतियों से राहत चाहते हैं और राजनीति और फासीवादी ताकतों की हार। विधानसभा चुनावों में भाजपा को हराने के बाद ममता बनर्जी ने जुलाई में दिल्ली का दौरा किया और 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा विरोधी दलों के गठबंधन को एक साथ लाने के तरीकों का पता लगाने के लिए विपक्षी नेताओं के साथ बातचीत की थी।

ममता बनर्जी ने कहा कि देश के लोग अब टीएमसी को लेकर एक नए भारत का सपना देख रहे हैं। बंगाल की सीमाओं को पार करते हुए टीएमसी को विभिन्न राज्यों से फोन आ रहे हैं। वे चाहते हैं कि बंगाल एक नए भारत के लिए लड़ाई का नेतृत्व करे। इसलिए हम कह रहे हैं कि हमें लोगों की पुकार का जवाब देना है। हमें लोगों की इच्छाओं को पूरा करना है और सभी भाजपा विरोधी ताकतों को एक मंच पर लाना है।

बता दें कि हाल ही में ममता बनर्जी की टीएमसी ने कांग्रेस को एक बड़ा झटका दिया है और सीनियर कांग्रेस नेता और गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री लुइजन्हिो फलेरियो हाल ही में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। टीएमसी त्रिपुरा में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने पर भी नजर गड़ाए हुए है। गोवा और त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव 2022 और 2023 में होने हैं।

टीएमसी प्रमुख ने कहा कि हमने कभी भी कांग्रेस के बगैर भाजपा विरोधी ताकतों यानी विपक्ष के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने कहा, 'यह हकीकत है कि हाल के दिनों में कांग्रेस भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने में विफल रही है। पिछले दो लोकसभा चुनावों में यह साबित हो गया है। अगर आप केंद्र में टक्कर नहीं दे सकते हैं, तो इससे जनता का विश्वास टूट जाता है। भाजपा को कुछ राज्यों में वोट मिले, मगर हम इस बार ऐसा नहीं होने दे सकते।'

ममता बनर्जी ने आगे कहा कि हम इस गठबंधन का नेतृत्व नहीं चाहते हैं। मगर कांग्रेस को वास्तविकता को समझना और स्वीकार करना होगा अन्यथा गठबंधन में अंतर होगा। इस बार अखिल भारतीय स्तर पर भाजपा विरोधी ताकत बनाने में कोई अंतर नहीं होना चाहिए, कोई कमी नहीं होनी चाहिए। हालांकि, यह संकेत देते हुए कि टीएमसी केंद्र में भाजपा सरकार को हटाने के लिए प्रेरणा शक्ति (ड्राइविंग फोर्स) बनने के लिए तैयार है, उन्होंने दावा किया कि टीएमसी के विकास मॉडल ने भगवा पार्टी की बाजीगरी को हरा दिया है।

ममता बनर्जी ने कहा कि देश के लोगों को इस (टीएमसी) मॉडल में विश्वास है। हमें सबसे व्यावहारिक मॉडल पेश करना है जो भारत के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है। टीएमसी लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में एक कदम पीछे नहीं हटेगी। यह उल्लेख करते हुए कि कैसे उनकी पार्टी कभी कांग्रेस को पछाड़कर पश्चिम बंगाल में माकपा शासन के खिलाफ मुख्य विपक्षी चेहरा बनकर उभरी थी, ममता बनर्जी ने लेख में कहा कि हाल के दिनों में टीएमसी 'भाजपा के खिलाफ असली विपक्ष' बन गई है। बता दें कि कांग्रेस और टीएमसी के बीच संबंध हाल ही में उस समय तनावपूर्ण हो गया था, जब उसके मुखपत्र में दावा किया गया था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी विफल रहे हैं और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष के चेहरे के रूप में उभरी हैं।

प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित हो कर भेज रहे है पोस्टकार्ड : कटवाल

शिमला। (एजेंसी)।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सेवा ही संगठन कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक संजीव कटवाल ने बताया कि पूरे प्रदेश से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता, कार्यकर्ता एवं नेताओं द्वारा पोस्टकार्ड भेजे जा रहे है। आज प्रदेश कार्यालय दीपकमल चक्कर से भी सैंकड़ो पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री को भेजे गए। महामंत्री त्रिलोक जम्वाल, प्रदेश प्रवक्ता विनोद ठाकुर, कार्यालय सचिव प्यार सिंह, सह मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा और अनेकों कार्यकर्ताओं ने पोस्टकार्ड भेजें।

कटवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस प्रकार से देश मे पिछले 20 वर्षों से कार्य किया है जिसमें वह 13 साल से मुख्यमंत्री गुजरात व 7 वर्षों से प्रधानमंत्री के रूप में काम किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक प्रधान सेवक के रूप में काम किया है और पूरे देश की सेवा की है। आज उनकी जनकल्याणकारी नीतियों से जनता को बहुत बड़ा लाभ हो रहा है, इन नीतियों से प्रभावित जनता स्वयं प्रधानमंत्री को बडी संख्या में पोस्टकार्ड भेज रहे है।

उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में भी हर मंडल से 1000 पोस्टकार्ड भेजें जा रहे है पर कुछ मंडल एसे भी है जिन्होंने 5000 पोस्टकार्ड भेजें है। उन्होंने कहा कि देश भर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना संकटकाल में जनता की सेवा की और वैक्सीनशन ड्राइव भी चलाई गई जिससे देश की जनता को बड़ा लाभ हुआ।

धूल विरोधी अभियान : डीपीसीसी, ग्रीन मार्शल दिल्ली में निर्माण स्थलों की करेंगे जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय दिल्ली में प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार लगातार नये-नये हथकंडे अपना रही है। वहीं, अब निर्माण स्थल से निकलने वाले धूल को लेकर धूल विरोधी अभियान शुरू करने का फैसला किया गया है। अभियान का पहला चरण 7 से 29 अक्टूबर तक होगा, इसके लिए निर्माण स्थलों पर नजर रखने के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों में 31 टीमों को तैनात किया जाएगा।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार दोपहर दिल्ली में डीपीसीसी और ग्रीन मार्शल के लिए एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के बाद मीडिया को बताया कि, अभियान के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) इंजीनियरों की 17 टीमों और ग्रीन मार्शल की 14 टीमों सहित कुल 31 टीमों का गठन किया गया है। वे यह सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न निर्माण स्थलों की निगरानी करेंगे कि वे दिल्ली सरकार के 14-सूत्रीय दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं।

राय ने कहा, डीपीसीसी की एक-एक टीम पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, शाहदरा, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों में और दो उत्तर-पश्चिम, नई दिल्ली, दक्षिण, उत्तर, पश्चिम और मध्य दिल्ली में तैनात की जाएगी। राष्ट्रीय राजधानी के प्रत्येक जिले के लिए ग्रीन मार्शल की एक-एक टीम भी नियुक्त की जाएगी।

मंत्री ने आगे कहा, ग्रीन दिल्ली ऐप पर मानदंडों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज की जाएगी, जिसकी निगरानी ग्रीन वॉर रूम में की जाएगी। संबंधित विभागों की मदद से हम समस्या को हल करने का प्रयास करेंगे। उल्लंघन करने वालों को नोटिस भेजा जाएगा। यदि वे दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने में विफल रहते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा और अंत में डीपीसीसी उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी जो जुर्माना भरने के बाद भी पर्यावरण को प्रदूषित करते रहते हैं।

2016 के नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों के आधार पर, ये जुर्माना भूखंड के आकार के आधार पर 10,000 रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक होगा।

गृह मंत्री अमित शाह करेंगे जम्मू-कश्मीर का दौरा, 70 मंत्रियों का भी है जाने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और धारा 35 के खत्म होने के बाद से एक सवाल जो लगातार उठ रहा है कि वहां के हालात क्या है? अगस्त 2019 में गृह मंत्री अमित शाह ने इस बात को लेकर राज्यसभा में सबसे पहले जानकारी दी थी। उसके बाद से विपक्ष लगातार जम्मू कश्मीर को लेकर हमला हो रहा है। हालांकि सरकार की ओर से लगातार यह दावा किया जा रहा है कि वहां विकास तेज गति से किया जा रहा है। साथ ही साथ वहां के हालात में शांति और स्थिरता देखी जा रही है और स्थिति पहले से बेहतर है। हालांकि, समय-समय पर सरकार की ओर से अलग-अलग मंत्री जम्मू कश्मीर जाते रहे हैं और स्थानीय स्तर पर लोगों से मुलाकात करते रहे हैं।

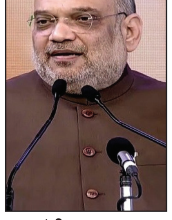

इन सबके बीच बड़ी खबर यह है कि गृह मंत्री अमित शाह इस महीने जम्मू कश्मीर का दौरा कर सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक यह दौरा 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर के बीच हो सकता है। बताया जा रहा है कि गृह मंत्री अमित शाह केंद्र सरकार के व्यापक संपर्क अभियान के तहत इस केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करेंगे। इसी कार्यक्रम के तहत 70 केंद्रीय मंत्री भी इस क्षेत्र का दौरा कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि दौरान प्रदेश आजादी के अमृत महोत्सव के रंग में डूब जाएगा। प्रदेश सरकार 23 से 29 अक्टूबर तक बड़े स्तर पर सांस्कृतिक व अन्य कार्यक्रम करवाने की तैयारी कर रही है। इस कार्यक्रम के तहत 23 अक्टूबर को जम्मू के सभी पार्कों व विरासती इमारतों में दीपमाला की जाएगी।

अपने दौरे के दौरान गृह मंत्री अमित शाह कश्मीर घाटी और जम्मू के दूरदराज के क्षेत्रों में जा सकते हैं और विभिन्न विकास कार्यक्रमों का जायजा ले सकते हैं। कानून व्यवस्था से संबंधित मुद्दे पर भी वह उच्च स्तरीय बैठक कर सकते हैं जिसमें पुलिस प्रशासन, अर्धसैनिक बल और सेना के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि दिन 70 मंत्रियों का कश्मीर जाने का प्लान है उनमें से कई ने राज्य का दौरा कर लिया है तो कहीं और जाने वाले हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जम्मू कश्मीर का दौरा कर सकते हैं हालांकि अब तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। लेकिन दिवाली के अवसर पर प्रधानमंत्री जम्मू कश्मीर जा सकते हैं।

कीमतों में फिर इजाफे के साथ पेट्रोल, डीजल की दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचें

मुंबई। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के अनुरूप कीमतों में एक बार फिर इजाफे के साथ देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बृहस्पतिवार को अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गयीं। सरकारी खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल की कीमत में 30 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 35 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गयी है। अधिसूचना के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 103.24 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में 109.25 रुपये प्रति लीटर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी। डीजल की कीमत भी दिल्ली में 91.42 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी और मुंबई में 100 रुपये प्रति लीटर के करीब पहुंच गयी।

इस समय मुंबई में इसकी कीमत 99.55 रुपये प्रति लीटर है। स्थानीय करों के आधार पर ईंधन की कीमतें राज्यों में अलग-अलग होती हैं। बृहस्पतिवार को वृद्धि के साथ दरें एक नयी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गयीं। लखनऊ और गांधीनगर में पेट्रोल ने 100 रुपये प्रति लीटर का आंकड़ा पार कर लिया। अब तक दोनों उन चुनिंदा राजधानियों में शामिल थे जहां पेट्रोल की कीमत 100 रुपये से कम थी। स्थानीय करों और माल ढुलाई के आधार पर तय होने वाली पेट्रोल की कीमत, उत्तर प्रदेश और गुजरात में कई जगहों पर पहले ही 100 रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

देहरादून, चंडीगढ़, गुवाहाटी और रांची अलग-अलग राज्यों की वे राजधानियां हैं जहां पेट्रोल की कीमत अब भी 100 रुपये प्रति लीटर से कम है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कई शहरों में डीजल पहले से ही 100 रुपये के पार चला गया है। राजस्थान के सीमावर्ती शहर श्री गंगानगर में इस समय देश में ईंधन की कीमत सबसे महंगी है। शहर में पेट्रोल की कीमत 115.14 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 105.64 रुपये है। केंद्र शासित क्षेत्र दमन में पेट्रोल 98.26 रुपये प्रति लीटर के साथ सबसे सस्ता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

अब भारत की ताकत देख कांपेंगे दुश्मन, वायुसेना के बेड़े में शामिल होंगे 233 लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के बेड़े में अगले दस वर्षों के भीतर 233 अत्याधुनिक लड़ाकू विमान शामिल किए जाएंगे। नए विमानों की खरीद के लिए आरंभिक प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। सरकार की योजना है कि ज्यादातर लड़ाकू विमानों का निर्माण देश में ही किया जाए। इससे एक तरफ जहां वायुसेना के लिए पुराने मिग विमानों को हटाने का रास्ता साफ होगा। वहीं, देश में लड़ाकू विमानों के निर्माण से आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी गति मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 83 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों की खरीद को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। ये विमान एचएएल द्वारा निर्मित किए जाने हैं तथा इसके अत्याधुनिक संस्करण एलसीए-1ए की खरीद वायुसेना के लिए की जाएगी। हालांकि, इसके आरंभिक संस्करण के 22 विमान वायुसेना पहले ही खरीद चुकी है। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए 38 हजार करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए हैं। एलसीए का यह संस्करण अत्याधुनिक हथियारों से लैस होगा। एक दिन पहले ही वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि 114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) की खरीद के लिए आरंभिक प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इसके लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे जिनका अध्ययन करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। इन विमानों का निर्माण भी देश में ही होगा। जिस कंपनी को भी इनकी आपूर्ति का ठेका मिलेगा, उसे देश में ही इनका निर्माण करना होगा। इसके पीछे भी सरकार का मकसद मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना है। बता दें कि हाल में वायुसेना के लिए 56 परिवहन विमानों की खरीद भी एयरबस से मेक इन इंडिया की शर्त पर की गई है। इसमें से 40 विमान देश में ही बनाए जाएंगे। इसके अलावा वायुसेना की तरफ से 36 और राफेल खरीदने के लिए भी सरकार से लगातार कहा जा रहा है।

बाराबंकी में भीषण सड़क हादसा : बस और ट्रक की टक्कर में नौ की मौत, 27 घायल

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में किसान पथ पर दिल्ली से बहराइच जा रही बस और दूसरी ओर से आ रहे ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में नौ बस यात्रियों की मौत की सूचना है। घटना में 27 यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। इनमें से 5 को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। गुरुवार की भोर में करीब 5:30 बजे दिल्ली से बहराइच जा रही टूरिस्ट बस जैसे ही देवा कोतवाली क्षेत्र में किसान पथ पर बबुरी गांव के पास पहुंची। सामने से आ रहा एक ट्रक अचानक बेकाबू होकर उससे टकरा गया। टक्कर के दौरान रफ्तार इतनी तेज थी कि बस और ट्रक के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना की सूचना पाते ही भारी संख्या में पुलिस बल और तहसील प्रशासन मौके पर पहुंचा। बस और ट्रक को काटकर घायलों को निकाला गया। सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया जहां पर डॉक्टरों ने नौ लोगों को मृत

घोषित कर दिया। मरने वालों में रहमान (42) पुत्र निजामुद्दीन निवासी आलापुर बाराबंकी के अलावा किसी अन्य यात्री की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है।

घायलों की सूची

1– यासमीन (28) पुत्री इब्बन निवासी नंदीपुर थाना कैसरगंज बहराइच
2– शादाब 5 वर्ष पुत्र मेराज नंदीपुर थाना कैसरगंज बहराइच
3– सिराज अहमद 45 पुत्र मोहम्मद मोहसिन ग्राम पट्टी थाना कैसरगंज बहराइच
4– सदील (28) पुत्र रफी अहमद निवासी एहतशाम पुर थाना कैसरगंज बहराइच
5– रहमत पुत्र अली उद्दीन निवासी कंडेला थाना कैसरगंज बहराइच
6– चंदू (55) पुत्र रमजान हजूर पुर बहराइच
7– लक्ष्मण चौहान 24 पुत्र राधेश्याम निवासी लोनयन पुरवा नकटा थाना कटरा बाजार गोंडा
8– इतर (35) पत्नी अनिसुर रहमान निवासी पट्टी कैसरगंज बहराइच
9– प्रवेश (18) पुत्र समयदीन निवासी लाला पुरवा थाना कैसरगंज बहराइच
10– अदनान (20) पुत्र रईस अहमद निवासी बहराइच थाना हुजूरपुर बहराइच
11– जगत राम (21) पुत्र बाबादीन निवासी फत्तापुर कला टिकैतनगर बाराबंकी
12– हामिद (21) पुत्र शहीदुर रहमान निवासी उपाधि पट्टी जरवल रोड बहराइच
13 – जरीन (5) पुत्री अनिसुर रहमान निवासी उपाधि पट्टी जरवल रोड बहराइच
14 – शाहिदा (5) पुत्री जावेद निवासी उपाधि पट्टी जरवल रोड बहराइच
15– आसिम पुत्र मोहम्मद सलीम नागेश्वर नाथ मंदिर बाराबंकी
16– विशाल पांडे (21) पुत्र बुधराम निवासी कटका थाना हुजूरपुर बहराइच
17– अब्दुल हसन (35) पुत्र निजामुद्दीन पुरैनी कैसरगंज बहराइच
18– तालुकदार (32) पुत्र रामफल निवासी हरवा टांडा थाना हुजूरपुर बहराइच
19– अलख राम 28 पुत्र गंगाराम निवासी बरगदी कोट थाना करनैलगंज गोंडा
20– अनंतराम (58) पुत्र भैरव दिन निवासी निंदूरा

भारत में विकसित सबसे महंगी हो सकती है तीन खुराक वाली डीएनए वैक्सीन

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए दुनिया की पहली डीएनए वैक्सीन भारत में विकसित हो चुकी है। करीब एक महीने पहले इस वैक्सीन को आपात इस्तेमाल की अनुमति भी मिल चुकी है, लेकिन तीन खुराक वाली इस वैक्सीन की कीमत अभी भी तय नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि यह वैक्सीन अन्य की तुलना में सबसे महंगी हो सकती है। कंपनी ने तीन खुराक की कीमत करीब दो हजार रुपये रखी है जिसे लेकर सरकार के साथ अभी भी बातचीत का दौर चल रहा है।

सरकार और कंपनी के बीच वैक्सीन कीमत पर चर्चा जारी

स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि अभी डीएनए वैक्सीन की कीमत तय नहीं हुई है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि जायडस कैडिला फॉर्मा कंपनी ने वैक्सीन का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह वैक्सीन 12 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग में इस्तेमाल की जा सकती है। कंपनी को हाल ही में वैक्सीन की दो खुराक करने के लिए तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति भी मिल चुकी है लेकिन अभी इसे टीकाकरण में शामिल नहीं किया गया है।

डीएनए वैक्सीन के अलावा कोरोना

टीकाकरण में अब तक मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन की एकल खुराक वाली वैक्सीन भी शामिल नहीं हो पाई है। वहीं, टीकाकरण में शामिल स्पूतनिक-5 वैक्सीन का घरेलू उत्पादन अब तक शुरू नहीं हो पाया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कोविशील्ड और स्पूतनिक-5 की तुलना में डीएनए वैक्सीन थोड़ी महंगी हो सकती है। इस वैक्सीन को देने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है जिस पर काफी खर्चा हो सकता है।

ट्रांसजेंडरों को ओडिशा में मिलेगा समान अवसर, सरकार ने बनाई नई नीति

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार राज्य में नोडल विभाग के सभी कार्यालयों में ट्रांसजेंडरों को समान अवसर प्रदान करने वाली नीति लेकर आई है। सामाजिक सुरक्षा और विकलांग व्यक्तियों के अधिकारिता (एसएसईपीडी) विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में ऐसी शिकायतों की प्राप्ति की तारीख से 15 दिनों के भीतर ट्रांसजेंडर लोगों की शिकायतों के निवारण के लिए एक शिकायत अधिकारी के रूप में एक अधिकारी के पदनाम को निर्धारित किया गया है। नोडल एजेंसी द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि विभाग प्रमुख शिकायत अधिकारी द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट पर एक पखवाड़े के भीतर कार्रवाई करेंगे। नीति को ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 और

अधिनियम के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार अधिसूचित किया गया था। अधिसूचना में कहा गया है कि सरकार अपने सभी कार्यालयों में लिंग, यौन अभिविन्यास, रंग, विकलांगता, वैवाहिक स्थिति, राष्ट्रीयता, नस्ल और धर्म के बावजूद सभी को समान रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। नई नीति यह भी सुनिश्चित करेगी कि काम का माहौल ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ किसी भी भेदभाव से मुक्त हो। साथ ही इसमें कहा गया है कि सेवा नियमों में निर्धारित आचार संहिता के तहत इस नीति का उल्लंघन करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ट्रांसजेंडर लोगों के लिए एक अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए, एसएसईपीडी विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए सिस्टम और प्रक्रियाओं का निर्माण करेगा कि उनके साथ किसी भी स्थिति, प्रशिक्षण, पदोन्नति और स्थानांतरण पोस्टिंग स्तर के मामले में भेदभाव नहीं किया जाएगा। बात दें कि इस साल जून में ओडिशा पुलिस भर्ती बोर्ड ने ट्रांसजेंडरों को सब-इंस्पेक्टर के पद के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी। अधिकारियों ने कहा कि 477 रिक्तियों के लिए 26 ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों ने ऑनलाइन आवेदन जमा किए।

प्रदूषण फैलाने वाले पुराने डीजल वाहनों पर कलर स्टीकर लगाना जरूरी

नई दिल्ली। परिवहन विशेषज्ञों ने सर्दियों में देशभर में होने वाले प्रदूषण की पहले से रोकथाम के उपाय लागू करने पर जोर दिया है। कोहरे के मौसम में दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण शीर्ष स्तर पर पहुंच जाता है। इसलिए पुराने विशेषकर डीजल वाहनों पर कलर स्टीकर लगाने की जरूरत है, जिससे उनको सड़क पर चलने से रोका जा सके।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद (एनआरएससी) के सदस्य व सड़क परिवहन विशेषज्ञ डॉ. कमलजीत सिंह सोई ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि राज्य सरकार ने गत वर्ष वाहनों के ईंधन के अनुसार विंड स्क्रीन पर कलर स्टीकर लगाने के नियम लागू कर दिए हैं। लेकिन इसे पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सका है। इसका मकसद पुरानी तकनीक का उपयोग करने वो व अधिक प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों की पहचान करना है।

शीर्ष अदालत ने 2016 में दिल्ली-एनसीआर के लिए पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम व नियंत्रण (ईपीसीए) से डीजल वाहनों के उपयोग को विनियमित करने के लिए कहा गया था। लेकिन

अभी तक यह पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सका है। उन्होंने सुझाव दिया कि परिवहन विभाग पुराने डीजल वाहनों को परमिट देना बंद करे। इसके अलावा कलर स्टीकरर लगाकर उनके परिचालन पर रोक लगाए। इससे आम आदमी को खतरनाक वायु प्रदूषण से बचाया जा सके।

प्रमोशन में आरक्षण से प्रशासनिक दक्षता तो नहीं होगी कम? सुप्रीम कोर्ट कर रहा विचार

नई दिल्ली। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग को प्रोन्नति में आरक्षण देने के लिए उच्चतम न्यायालय में दायर याचिकाओं पर सुनवाई जारी है। जस्टिस एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने बुधवार को कहा कि वह एससी-एसटी को आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर के मुद्दे पर विचार नहीं कर रही है। वह सिर्फ इस बात पर विचार कर रही है कि क्या प्रोन्नति में आरक्षण देने के लिए उच्च पदों पर पर्याप्त प्रतिनिधित्व के लिए संख्यात्मक आंकड़ा लाना जरूरी है? यह आरक्षण देने से प्रशासनिक दक्षता तो प्रभावित नहीं होगी? पीठ के समक्ष बिहार सरकार ने भी बहस की। उसने कहा कि कैडर आधारित आरक्षण नहीं दिया जा सकता। इसे वर्ग के आधार पर ही दिया जा

सकता है। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया ने कहा कि कैडर आधारित आरक्षण देना संभव नहीं है। शीर्ष अदालत केंद्र सरकार और कई राज्यों की याचिकाओं पर विचार कर रही है, जिसमें उन्होंने प्रोन्नति में आरक्षण देने की अनुमति मांगी है। केंद्र सरकार ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 16(4ए) के तहत आरक्षित वर्ग को प्रोन्नति में आरक्षण दे सकती है।

वर्ष 2017 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार की अधिसूचना को निरस्त कर दिया था, जिसमें आरक्षित वर्ग के केंद्रीय कर्मचारियों को प्रोन्नति में आरक्षण दिया गया था। अदालत ने कहा था कि 1997 के फैसले के तहत यह आरक्षण तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक यह न देखा जाए कि उच्च पदों पर पिछड़े वर्गों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। यह प्रतिनिधित्व तय करने के लिए संख्यात्मक आंकड़ा होना जरूरी है। अधिसूचना को चुनौती देने वाली यह याचिका सामान्य श्रेणी के कर्मचारियों ने दायर की थी। इस फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार और कई कर्मचारी सर्वोच्च अदालत पहुंचे थे। सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी।

एससी-एसटी को अगड़ी जातियों जितना योग्य नहीं बना सके-केंद्र

केंद्र सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि करीब 75 साल बाद भी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को योग्यता के उस स्तर पर नहीं लाया जा सका, जिस पर अगड़ी जातियां खड़ी हैं। अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि एससी-एसटी वर्ग के लोगों के लिए समूह ए की नौकरियों में उच्च पद प्राप्त करना अधिक कठिन है। अब समय आ गया है, जब शीर्ष अदालत को रिक्त पदों को भरने के मामले में एससी, एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए कुछ ठोस आधार देना चाहिए।

आजादी के 100 साल पूरे होने तक देश के सौ शहरों में दौड़ेगी मेट्रो

नई दिल्ली। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने कहा है कि अगले साल तक देश में 900 किलोमीटर क्षेत्र में मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा। कोविड से पहले मेट्रो के यात्रियों की संख्या 85 लाख तक पहुंच गई थी। फिलहाल यह करीब 30-35 लाख है। कोविड के हालात सामान्य होते ही यह संख्या एक करोड़ हो जाएगी। उन्होंने यह बातें इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में न्यू अर्बन इंडिया एक्सपो के दौरान आजादी के सौ साल होने पर भारत में मेट्रो की स्थिति बयां करते हुए कहीं। केंद्रीय सचिव ने कहा कि आजादी के सौ साल पूरे होने पर कम से कम देश के सौ शहरों में मेट्रो चलेगी। अब देश में 500 किलोमीटर में मेट्रो चल रही है, तब 5000 किलोमीटर में चलाने का लक्ष्य है। पैसेंजर भी तब ढाई करोड़ होंगे। मेट्रो की तुलना में मेट्रो लाइट, मेट्रो नियो और वाटर मेट्रो कम खर्चीले विकल्प हैं। मिश्र ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के तहत हमने बढ़ी छलांग लगाई है। ग्लोबल टेंडरों में देश की कंपनियां बाजी मार रही हैं। गर्व का विषय है कि अब भारत में तैयार कोच कनाडा और आस्ट्रेलिया में चलेंगे।

यूपी के शहरों में बिछ रहा मेट्रो का जाल-केशव-यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी कुमार केशव ने प्रदेश में चल रहे मेट्रो प्रोजेक्टों के

अलावा प्रस्तावित प्रोजेक्टों की भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लखनऊ में दूसरे चरण में मुंशी पुलिया से जानकीपुरम, आईआईएम लखनऊ से राजाजीपुरम, चारबाग से एसजीपीजीआई और इंदिरा नगर से अवध बिहार योजना इकाना स्टेडियम तक करीब 47.94 किलोमीटर में मेट्रो चलाने की तैयारी है जबकि तीसरे फेस में अवध बिहार योजना से एयरपोर्ट और सचिवालय से सीजी सिटी साउथ तक 32.03 किलोमीटर के दायरे में मेट्रो संचालन प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि कानपुर और आगरा में तेजी से मेट्रो का काम चल रहा है। कानपुर में नौ किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरीडोर का अगले महीने शुभारंभ हो जाएगा। गोरखपुर में मेट्रो लाइट प्रोजेक्ट को राज्य सरकार मंजूरी दे चुकी है। वाराणसी के अलावा उन्होंने झांसी, अयोध्या, सहारनपुर में भविष्य के प्रोजेक्टों की भी चर्चा की।

रीजनल कनेक्टिवटी पर करना होगा फोकस-दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी मंगू सिंह ने मेट्रो के क्षेत्र में मेक इन इंडिया के सफल प्रयोग को विस्तार से प्रजेंटेशन के जरिए समझाया। महा मेट्रो के एमडी बृजेश दीक्षित ने मेट्रो लाइट और मेट्रो नियो के बारे में बताया। एनसीआरटीसी के एमडी वीके सिंह ने कहा कि 2050 तक देश में 53 फीसदी शहरीकरण हो जाएगा। ऐसे में मेट्रो के जरिए रीजनल कनेक्टिविटी पर फोकस करना होगा। चेन्नई मेट्रो के एमडी प्रदीप यादव ने लागत प्रबंधन पर प्रजेंटेशन दिया। कोच्चि मेट्रो रेल कारपोरेशन के निदेशक डीके सिंह ने ऊर्जा बचत पर बात रखी।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com